।। श्री हरिः ।।

नमामि देवी नर्मदे

अमृत दर्शन

RNI No. MPHIN /2004 /13927

वर्ष - 22 अंक - 192

नर्मदापुरम

बुधवार, 29 अप्रैल 2026

● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपया

Website : www.amritdarshan.com

नर्मदापुरम का प्रथम हिन्दी दैनिक

बंगाल में दूसरे चरण की वोटिंग आज

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में बुधवार को 142 सीटों पर वोटिंग होनी है। इसको लेकर राज्य में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। ममता की भवानीपुर सीट पर मंगलवार को CRPF ने फ्लैग मार्च निकाला। ममता के खिलाफ भाजपा ने सुवेंदु अधिकारी को मैदान में उतारा है। इधर चुनाव कर्मचारी EVM मशीन लेकर पोलिंग बूथ पर पहुंच चुके हैं। कोलकाता में एक महिला कर्मचारी गर्मी के चलते बेहोश हो गई। सेकेंड फेज में कुल 1448 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। 23 अप्रैल को पहले चरण में 92.72% मतदान हुआ था। 4 मई को नतीजे आएंगे।

भाजपा महिला मोर्चा ने 'नारी शक्ति वंदन' अधिनियम के समर्थन में निकाला मशाल जुलूस

भोपाल ■ विसं

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक श्री हेमंत खण्डेलवाल के नेतृत्व में वरिष्ठ नेत्रियों के साथ हजारों की संख्या में कार्यकर्ता बहनों ने 'नारी शक्ति वंदन' अधिनियम के समर्थन में मंगलवार को भोपाल में मशाल जुलूस निकाला। मशाल जुलूस सोमवारा पुलिस चौकी के पास से सुभाष चौक होते हुए लखेरापुरा पहुंची, जहां विशाल सभा के साथ जुलूश का समापन हुआ। मशाल जुलूस में महिला मोर्चा की पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधि व कार्यकर्ता बहनों के साथ हजारों की संख्या में शामिल महिलाओं ने अपने हातों में 'नारी शक्ति वंदन' अधिनियम के समर्थन में तख्तियां लिए हुए थीं। मशाल जुलूस में शामिल बहनों में 'नारी शक्ति वंदन' अधिनियम का विरोध करने वाली कांग्रेस पार्टी और अन्य विपक्षी दलों के खिलाफ तख्तियों में अलग-अलग स्लोगन लिखकर अपने आक्रोश का प्रदर्शन कर रही थीं।

कांग्रेस व विपक्षी दलों के खिलाफ महिलाओं में आक्रोश

विपक्षी दलों को सबक सिखाएगी देश की नारी शक्ति

केंद्रीय मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर, पार्टी की प्रदेश महामंत्री व सांसद श्रीमती लता वानखेड़े एवं महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती अश्विनी परांजपे ने अपने संबोधन में कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम-2023 को लागू करने में रोड़ा अटकाकर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, टीएमसी व डीएमके जैसे राजनीतिक दलों ने बहनों के अधिकारों पर डाका डाला है। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी सहित विपक्षी दलों के मंसूबे कभी पूरे नहीं होंगे। महिलाएं अपना अपमान कभी नहीं भूलेंगी। 'नारी शक्ति वंदन' अधिनियम का लोकसभा में विरोध कर पारीत नहीं होने देना, महिलाओं के अधिकारों का हनन है।

विपक्षी दलों के विश्वासघात के खिलाफ मध्यप्रदेश सहित देश भर की महिलाओं में आक्रोश है। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के अधिकारों पर डाका डालने के लिए महिलाएं सबक जरूर सिखाएंगी। विपक्षी दलों ने महिलाओं के अधिकार देने से रोका है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर विपक्षी दलों का कृत्य संपूर्ण नारी शक्ति का अपमान है। कांग्रेस का इतिहास हमेशा से महिला विरोधी रहा है। हजारों की संख्या में महिलाओं ने मशाल लेकर निकाला जुलूस, स्लोगन के साथ की नारेबाजी

देश की आधी आबादी को संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का कांग्रेस और विपक्षी दलों द्वारा विरोध किए जाने के खिलाफ और 'नारी शक्ति वंदन' अधिनियम के समर्थन में भाजपा महिला मोर्चा द्वारा आयोजित मशाल जुलूस में हजारों की संख्या में महिलाएं एक मशाल लेकर अपने आक्रोश का प्रदर्शन कर रहीं थीं। महिला मोर्चा की कार्यकर्ता बहनें 'नारी शक्ति ने मांगा अधिकार, कांग्रेस ने ठगा हर बार, कांग्रेस की पुरानी बीमारी, आधी आबादी से फिर की गद्दारी, महिलाओं के अधिकारों के हनन के लिए कांग्रेस जिम्मेदार।

अंतर्मना उवाच

सफल व्यक्तियों की ज़िन्दगी की डायरी में ये शब्द नहीं होते... 'अभी नहीं', 'बाद में' या 'कल करेंगे'..!

इसीलिए वे सफलता के शिखर की उत्तुंग चोटी तक पहुँच पाते हैं। अन्यथः आज हमारे पास आसमान छूने के सपने तो बहुत हैं, लेकिन उस दिशा में आगे बढ़ने का जोश और उत्साह नहीं है। हम कहते हैं... आज नहीं, कल या बाद में करेंगे।

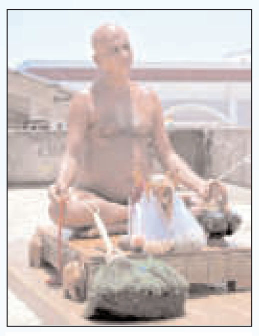

परतापुर, ज़िला- बांसवाड़ा (राजस्थान) खुले आसमान में भरी दोपहर के 12:30 बजे, 42 डिग्री तापमान में, तपस्वी सम्राट, अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागरजी महाराज सामायिक करते हुए। सूरज की तपिश से धरती तप रही है, पर उनकी साधना अडिग है। न छाँव, न आसन, केवल आत्म-लीनता। पसीने की बूंदें भी मानो तप का अभिषेक कर रही हो...

*जीवन को बदलने का मन तो बहुत है, लेकिन पहल करने की शक्ति नहीं है। इस बार परीक्षा की अच्छी तैयारी करनी है, लेकिन सोचते हैं... कल करेंगे या बाद में करेंगे। संबंध सुधारने हैं, पर आज नहीं, बाद में। हमेशा यही बहाना -- **अभी मेरा समय ठीक नहीं है।***

अरे मूर्खानन्द..!

*शुभ, ऊर्जावान और सकारात्मक विचारों पर किसी का एकाधिकार नहीं है। ये तो परमात्मा का दिया हुआ उपहार हैं और तुम रो रहे हो... समय ठीक नहीं है। **तुम्हारा समय कभी ठीक नहीं होगा, क्योंकि तुमने मान लिया है कि समय ठीक नहीं है।** आलसी, प्रमादी और निष्क्रिय लोगों के यही लक्षण होते हैं-- **'मेरा समय ठीक नहीं है' या 'कल करेंगे।'***

*सफल व्यक्तियों ने अपने जीवन के शब्दकोश से 'कल' और 'बाद में' जैसे घातक शब्दों को निकाल दिया है। इसीलिए वे सफलता के शिखर पर पहुँचते हैं। **कल पर किसी का अधिकार नहीं है। इसलिए 'कल' और 'बाद में' जैसे आलसी शब्दों को छोड़कर 'आज', 'अभी', इसी क्षण को अपनाओ।** किसी भी काम को टालने के बजाय उसे अभी करने की पहल करो। हाँ, पाप, गलत और अशुभ कार्यों को कल पर टाल दो और पुण्य, शुभ तथा परोपकार के कार्यों को आज, अभी, इसी क्षण शुरू कर दो।*

एक सूत्र याद रखो – अभी नहीं तो कभी नहीं...!!!

■ **अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज**

उड़ता तीर

मोहन केबिनेट में हुए कई अहम फैसले

38,901 आंगनवाड़ी भवन होंगे 'रोशन'

विकास कार्यों के लिए 26,800 करोड़ की मंजूरी

ओबीसी छात्रों की छात्रवृत्ति बढ़ाकर 10 हजार की

भोपाल ■ विसं

मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में मध्यप्रदेश के विकास, किसानों और सामाजिक कल्याण से जुड़े कई अहम फैसले लिए गए। बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई और किसान हितों के लिए बड़े बजट की मंजूरी दी गई। वहीं, प्रदेश के 38,901 भवनों में विद्युतीकरण के लिए राशि को स्वीकृति दी है।

मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में प्रदेश के विकास, किसानों और सामाजिक कल्याण से जुड़े कई अहम फैसले लिए गए। सरकार ने शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में भी बड़ी घोषणाएं की और विकास कार्यों के लिए करोड़ों का बजट मंजूर किया। कैबिनेट बैठक में लोक निर्माण विभाग के विभिन्न निर्माण और विकास कार्यों के लिए 26,311 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है। यह मंजूरी 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक की अवधि के लिए दी गई है। इस राशि का उपयोग सड़कों के नवीनीकरण, सरकारी भवनों के निर्माण और मरम्मत, आवासों के रखरखाव और जमीन अधिग्रहण के मुआवजे जैसे कामों में किया जाएगा। सरकार ने अलग-अलग कामों के लिए बजट तय किया है। इसमें कार्यालय और भवनों के निर्माण व रखरखाव के लिए 6,180 करोड़ रुपये, सड़क निर्माण और विकास के लिए 6,925 करोड़ रुपये, सरकारी आवास और भवनों की मरम्मत के लिए 1,680 करोड़ रुपये, भूमि अधिग्रहण मुआवजे के लिए 6,500 करोड़ रुपये और जिला और मुख्य सड़कों के नवीनीकरण के लिए 5,000 करोड़ रुपये बजट तय किया है। इसके अलावा भारतीय सड़क कांग्रेस को अनुदान और अन्य भुगतान के लिए 25 करोड़ 50 लाख रुपये भी मंजूर किए गए हैं। सरकार का कहना है कि इस फैसले से प्रदेश में सड़क नेटवर्क मजबूत होगा और विकास कार्यों में तेजी आएगी।

भोपाल में हुई कैबिनेट बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग के तहत प्रदेश के 38,901 आंगनवाड़ी भवनों में बिजली कनेक्शन लगाने के लिए 80 करोड़ 41 लाख रुपये की मंजूरी दी गई है।

भोपाल और रीवा मेडिकल कॉलेज में बढ़ेगी सुविधाएं

बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए भी निर्णय लिया। इसमें धी चिकित्सा महाविद्यालय भोपाल के पीजी सीट विस्तार और आधुनिक सुविधाओं स्वीकृति दी गई है। इसके अंतर्गत रेडियोथैरिपी विभाग की ओ.पी.डी, लीनियक मशीन बंकर, बोनमैरो ट्रांसप्लांट यूनिट और कैथलैब का निर्माण कार्य के लिए 14 करोड़ 8 लाख रूपये की कार्योत्तर स्वीकृति प्रदान करने के साथ 79 करोड़ 16 लाख रूपये की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। वहीं रीवा के श्यामशाह चिकित्सा महाविद्यालय के सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल विस्तार के लिए बजट बढ़ाकर 174.80 करोड़ रुपये किया गया है। इन फैसलों से प्रदेश में मेडिकल शिक्षा और इलाज सुविधाएं और मजबूत होंगी।

शाजापुर की लखुंदर सिंचाई परियोजना को स्वीकृति

कैबिनेट ने शाजापुर जिले की लखुंदर उच्च दाबयुक्त सूक्ष्म सिंचाई परियोजना के लिए 155 करोड़ 82 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। इस परियोजना से शाजापुर जिले की शाजापुर तहसील के 17 और उज्जैन जिले की तराना तहसील के 7 गांवों सहित कुल 24 गांवों को लाभ मिलेगा। इससे लगभग 9,200 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। परियोजना के तहत लखुंदर नदी पर शाजापुर जिले के मक्सी के पास बने जलाशय से 24.37 मिलियन घन मीटर पानी का उपयोग कर खेतों तक सिंचाई पहुंचाई जाएगी।

करोड़ों रुपये की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण किया

नारी शक्ति ही हैं, नए भारत की असली ताकत -नरेन्द्र मोदी

वाराणसी ■ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने दो दिवसीय दौरे पर मंगलवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी पहुंचे, जहां उनका भव्य स्वागत हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नारी वंदन सम्मेलन में 'हर-हर महादेव' के उद्घोष के साथ अपने संबोधन की शुरुआत की। प्रधानमंत्री ने काशी की महिलाओं को नमन करते हुए कहा कि आज का यह अवसर नारी शक्ति के वंदन और विकास का उत्सव है। उन्होंने बताया कि इस दौरान हजारों करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया है, जो क्षेत्र के विकास को नई गति देंगे। उन्होंने कहा कि काशी से पुणे और अयोध्या से मुंबई के लिए शुरू की गई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों से आम जनता को बड़ा लाभ मिलेगा। इससे महाराष्ट्र के लोगों को काशी विश्वनाथ धाम और अयोध्या आने के लिए एक आधुनिक और सुविधाजनक विकल्प मिलेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिला सशक्तिकरण को सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बताया। उन्होंने कहा कि आज देश की महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं और सरकार उनकी प्रगति में हर संभव सहयोग दे रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 'नारी शक्ति ही नए भारत की असली ताकत है, और जब महिलाएं आगे बढ़ती हैं तो पूरा समाज आगे बढ़ता है।' पीएम मोदी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि देश में लंबे समय तक महिलाएं उपेक्षित रहीं।

उन्होंने कहा कि कई बार महिलाओं से सवाल तक नहीं पूछे जाते थे और सीधे निर्णय थोप दिए जाते थे। यह स्थिति केवल काशी ही नहीं, बल्कि देश के अधिकांश हिस्सों में बहन-बेटियों का अनुभव रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब वह करीब 25 वर्ष पहले गुजरात के मुख्यमंत्री बने, तब उन्होंने इस सोच को बदलने का संकल्प लिया। उन्होंने बेटियों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए विशेष योजनाएं शुरू की, जिससे अधिक से अधिक लड़कियां स्कूल पहुंच सकें। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में जब देश की माताओं-बहनों ने उन्हें सेवा का अवसर दिया, तब से भारत तेजी से विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है।

पीएम मोदी ने बच्चों के साथ खेला फुटबॉल

नन्हे दोस्तों के साथ फुटबॉल खेलने का मजा ही कुछ और है

गंगटोक ■ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सिक्किम दौरे पर हैं। मंगलवार की सुबह पीएम मोदी ने राजधानी गंगटोक में स्थानीय बच्चों के साथ फुटबॉल का आनंद लिया। पीएम ने बच्चों के साथ फुटबॉल खेलते हुए कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, 'गंगटोक की एक प्यारी सुबह, सिक्किम में अपने नन्हे दोस्तों के साथ फुटबॉल खेलने का मजा ही कुछ और है।

एक अन्य पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'इन युवाओं के साथ फुटबॉल का एक जबरदस्त सेशन।' पीएम मोदी ने अपने एक्स पोस्ट में कई तस्वीरें पोस्ट की हैं जिसमें वे स्थानीय बच्चों के साथ फुटबॉल खेलते, उनके साथ बातचीत

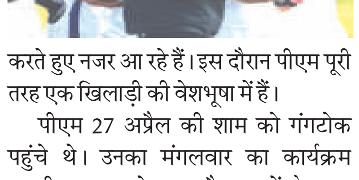

करते हुए नजर आ रहे हैं। इस दौरान पीएम पूरी तरह एक खिलाड़ी की वेशभूषा में हैं।

पीएम 27 अप्रैल की शाम को गंगटोक पहुंचे थे। उनका मंगलवार का कार्यक्रम काफी व्यस्त रहने वाला है। बच्चों के साथ समय बिताने के बाद प्रधानमंत्री गंगटोक स्थित ऑर्किडेरियम का दौरा करेंगे। वह पालजोर स्टेडियम में सिक्किम के राज्य स्थापना के 50वें वर्ष के समारोह के समापन समारोह में भाग लेंगे।

भोपाल में मुख्यमंती ने की बड़ी घोषणा

अब सिलेबस में पढ़ेंगे, राजा हिरदेशाह की जीवन यात्रा

सांस्कृतिक पुनरोत्थान के लिए संकल्पित प्रदेश सरकार

भोपाल ■ विसं

मध्यप्रदेश अब राजा हिरदेशाह लोधी के बारे में न केवल पढ़ेगा, बल्कि उनकी जीवन यात्रा भी देखेगा। दरअसल, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव राजा हिरदेशाह लोधी को पाठ्यक्रम में शामिल कराएंगे और उनके नाम से तीर्थ स्थल का भी निर्माण कराएंगे। सीएम डॉ. यादव ने राजा हिरदेशाह लोधी की 168वीं पुण्यतिथि (शौर्य दिवस) के अवसर पर उन्हें नमन किया। उन्होंने 28 अप्रैल को राजधानी भोपाल के जंबूरी मैदान में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि आज का यह दिन पवित्र दिन है। कई योनियों के बाद मनुष्य जन्म मुश्किल से मिलता है। नर्मदा टाइगर के नाम से पहचान रखने वाले राजा हिरदेशाह ने अंग्रेज शासन के खिलाफ 1842 में संघर्ष का संकल्प लिया। वे अपने भाइयों के साथ 1858 तक संघर्ष करते रहे।

सीएम डॉ. यादव ने कहा कि राजा हिरदेशाह का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणादायी और आदर्श है। समाज के महापुरुषों के संघर्ष को भी याद करने की आवश्यकता है। जो संघर्षों से लड़ना जानता है, समाज उसका अभिनंदन करता है। राजा हिरदेशाह ने बुंलेदखंड के बुंदेला और आदिवासी समाज को एकजुट कर अंग्रेजों के समाने आंदोलन शुरू किया था। राज्य सरकार उनके संघर्ष पर शोध कराएगी। उनके जीवन के महत्वपूर्ण घटनाक्रम को लिपिबद्ध कर शिक्षा विभाग में पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाएगा। राज्य सरकार ने प्रदेश की विरासत और महान हस्तियों का सम्मान करते हुए सबसे पहले रानी अवंतीबाई के नाम पर सागर में राजकीय विश्वविद्यालय की स्थापना की।

150 साल बाद कान्हा में लौटा जंगली भैंसा

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा-मजबूत होगा ईको-सिस्टम

भोपाल ■ विसं

मध्यप्रदेश के कान्हा टाइगर रिजर्व में 150 साल बाद जंगली भैंसों की वापसी हुई है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने असम के काजिरंगा नेशनल पार्क से लाए गए एक नर और तीन मादा जंगली भैंसों को यहां छोड़ा। मध्यप्रदेश के वाइल्ड लाइफ और ईको-सिस्टम के लिए 28 अप्रैल का दिन बेहद खास रहा। आज प्रदेश की धरती यानी कान्हा टाइगर रिजर्व में चार जंगली भैसों की आमद हुई। इनमें एक नर और तीन मादा हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बालाघाट जिले के सूपखार-टोपला क्षेत्र में इन भैसों को रिलीज किया। इन भैसों की आमद से एक तरफ प्रदेश के जंगल समृद्ध होंगे, तो दूसरी तरफ टूरिज्म पर भी सकारात्मक असर होगा। इनके आने से स्थानीय रोजगार भी बढ़ेगा।

मध्यप्रदेश सरकार इन भैसों को असम के काजीरंगा नेशनल पार्क से लाई है। इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश के लिए आज का दिन ऐतिहासिक है। 150 साल बाद मध्यप्रदेश की धरती पर, कान्हा टाइगर रिजर्व में एक बार फिर जंगली भैंसा आया है। यह हमारे पर्यावरण के लिए, पारिस्थितिक तंत्र के लिए अद्भुत अवसर है। हमारी अपनी धरती पर हमारे यहां से गए हुए मेहमान का शुभागमन है। इनके आने से पारिस्थितिक तंत्र मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि ऐसे ही अवसरों से हमारा जंगल समृद्ध होता है।

होर्मुज की बाधा पार कर भारत के लिए सुरक्षित निकला विशाल LNG टैंकर

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान की तनातनी ने मिडिल ईस्ट के समंदर को बारूद के ढेर में बदल दिया है। पूरी दुनिया सांसें रोककर बैठी है कि कब कौन सी मिसाइल तेल के बाजार में आग लगा दे। लेकिन इस खौफनाक और दमघोंटू माहौल के बीच एक ऐसी खबर सामने आई है, जिसने भारत की टेंशन छूमंतर कर दी है। जी हां, दुनिया के सबसे खतरनाक और विवादित समुद्री रास्ते 'होर्मुज जलडमरूमध्य' से एक ऐसा चमत्कार हुआ है, जिसकी उम्मीद कम ही लोग कर रहे थे। युद्ध की आहट के बाद पहली बार प्राकृतिक गैस से लदा एक भीमकाय जहाज इस 'मौत के समंदर' को चीरते हुए सुरक्षित बाहर निकल आया है। जहाजों के आवाजाही की जानकारी देने वाले ट्रैकिंग डेटा ने एक बड़ा खुलासा किया है। सोमवार को 'मुबाराज़' नाम के इस विशाल जहाज को भारतीय समुद्री क्षेत्र के आस-पास देखा गया है।

लाड़ली लक्ष्मी योजना में छात्राओं को मिलेंगे 25 हजार

एमपी के कॉलेजों में 1 मई से एडमिशन; खाली सीटों के लिए मिलेगा CLC का विशेष मौका

भोपाल ■ निसं

एमपी के सरकारी और निजी कॉलेजों में स्नातक (यूजी) और स्नातकोत्तर (पीजी) पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए उच्च शिक्षा विभाग ने काउंसलिंग का शेड्यूल जारी कर दिया है। यूजी के लिए 1 मई और पीजी के लिए 2 मई से ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन शुरू होगा। ये 30 जून तक चलेगा। रजिस्ट्रेशन के साथ दस्तावेज सत्यापन अनिवार्य रहेगा। इस बार विभाग ने दो मुख्य काउंसलिंग राउंड के साथ कॉलेज लेवल काउंसलिंग का एक अतिरिक्त राउंड भी जोड़ा है। कॉलेज में एडमिशन लेने वाली छात्राओं को लाड़ली लक्ष्मी योजना से 25000 रुपए की सहायता दी जाएगी।

ऑनलाइन प्रक्रिया से होगा एडमिशन: शेड्यूल के अनुसार, इस साल प्रवेश प्रक्रिया ऑनलाइन माध्यम से ही पूरी की जाएगी। छात्रों को तय तारीख के भीतर रजिस्ट्रेशन करना होगा और अपने दस्तावेजों का सत्यापन भी कराना होगा। बिना सत्यापन के छात्रों की काउंसलिंग प्रक्रिया अधूरी मानी जाएगी और वे सीट आवंटन से वंचित रह सकते हैं।

चॉइस फिलिंग से तय होगा कॉलेज: एडमिशन प्रक्रिया के दौरान छात्रों को अपनी पसंद के कॉलेज और कोर्स का चयन करना होगा। इसी चॉइस फिलिंग के आधार पर मेरिट सूची तैयार की जाएगी और सीटों का आवंटन किया जाएगा। सीट मिलने के बाद छात्रों को तय समय सीमा में फीस जमा करनी होगी अन्यथा उनकी सीट स्वत: निरस्त हो जाएगी और वह अगली सूची में अन्य छात्रों को आवंटित कर दी जाएगी।

दो मुख्य राउंड के साथ CLC का नया मौका: इस बार प्रवेश प्रक्रिया में दो मुख्य काउंसलिंग राउंड के अलावा कॉलेज लेवल काउंसलिंग का एक अतिरिक्त राउंड भी रखा है। यह राउंड उन सीटों को भरने के लिए होगा, जो मुख्य काउंसलिंग के बाद खाली रह जाती हैं। इससे अधिक से अधिक छात्रों को प्रवेश का अवसर मिल सकेगा और कॉलेजों में सीटें खाली नहीं रहेंगी।

12वीं के बाद सीधे करें 4 साल का ढ्ढञ्जश्वक्क कोर्स: इस वर्ष एनसीटीई के तहत बीएड, बीपीएड और एमपीएड कोर्स के साथ एक नया चार वर्षीय कोर्स आईटीईपी भी शुरू किया गया है। इसकी खास बात यह है कि इसे 12वीं के बाद सीधे किया जा सकता है। इसे शिक्षक बनने की इच्छा रखने वाले छात्रों के लिए बेहतर विकल्प माना जा रहा है, क्योंकि इसमें शुरुआती स्तर से ही प्रशिक्षण दिया जाएगा।

पहली किस्त फर्स्ट ईयर, दूसरी थर्ड में मिलेगी: लाड़ली लक्ष्मी योजना के तहत छात्राओं को स्नातक और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने पर 25 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। यह राशि फर्स्ट ईयर और थर्ड ईयर में दो बराबर किस्तों में दी जाएगी। योजना का उद्देश्य प्रदेश में लिंगानुपात में सुधार करना, बालिकाओं के जन्म के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना और उनकी शिक्षा व स्वास्थ्य की स्थिति को बेहतर बनाना है।

LLb में एडमिशन: SC-ST को 40% और सामान्य को 45% अंक जरूरी: एलएलबी पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए भी न्यूनतम अंक प्रतिशत निर्धारित किया गया है। तीन वर्षीय एलएलबी कोर्स के लिए सामान्य वर्ग के छात्रों को स्नातक में कम से कम 45 प्रतिशत अंक, अन्य पिछड़ा वर्ग को 42 प्रतिशत और अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग को 40 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य होगा।

इसी तरह पांच वर्षीय एलएलबी कोर्स में प्रवेश के लिए 12वीं कक्षा में भी यही न्यूनतम अंक प्रतिशत लागू रहेगा। यह नियम हरियाणा और मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल से मान्यता प्राप्त बोर्ड के विद्यार्थियों पर लागू होगा।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व विधायक पंचूलाल बने विंध्य विकास प्राधिकरण अध्यक्ष

भोपाल। मोहन सरकार ने विंध्य विकास प्राधिकरण में अध्यक्ष और दो उपाध्यक्षों को नामांकित किया है। भाजपा से पूर्व विधायक पंचूलाल प्रजापति को इस प्राधिकरण का अध्यक्ष बनाया गया है। सरकार ने पिछले चार दिनों से रोज एक-दो निगम, मंडल, विकास प्राधिकरण और आयोग में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सदस्य की नियुक्ति का सिलसिला जारी रखा है। अभी यह प्रक्रिया जारी रहने की उम्मीद है। योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा मंगलवार को जारी आदेश में विंध्य विकास प्राधिकरण के पदाधिकारियों को आगामी आदेश तक के लिए नामांकित किए जाने का आदेश जारी किया है। आदेश में कहा गया है कि पंचूलाल प्रजापति प्राधिकरण के अध्यक्ष होंगे, जबकि प्राधिकरण उपाध्यक्ष के रूप में डॉ. अजय सिंह और संजय तीर्थानी को नामांकित किया गया है। प्रजापति रीवा जिले के मनगवां और देवतालाब से विधायक रह चुके हैं। वहीं अजय सिंह भाजपा रीवा जिला अध्यक्ष रहे हैं।

नगर निगम द्वारा शहर में अतिक्रमणों के विरूद्ध कार्यवाही निरंतर जारी

भोपाल। नगर निगम द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अतिक्रमणों को हटाने की कार्यवाही निरंतर जारी है। इसी तारतम्य में निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने सी.एम. हेल्पलाईन, महापौर हेल्पलाईन सहित अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के निराकरण तथा निगम की नियमित कार्यवाही के तहत विभिन्न क्षेत्रों में अतिक्रमणों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए बड़ी संख्या में ठेले, सब्जी, कपड़ा आदि की दुकानों हटाने के साथ ही अवैध रूप से बनें शेड, तार फेसिंग, दीवार, चबूतरे आदि को तोड़ा। निगम आयुक्त श्रीमती संस्कृति जैन के निर्देश पर निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते के दलों ने मंगलवार को कोलार डीमार्ट, फाईन एवेन्यू, कमला नगर, नेहरू नगर चैराहा, सैर सपाटा, सूरज नगर, राहुल नगर, जवाहर चैक, सरस्वती नगर, लिंक रोड नं0-1,2,3, बरकतउल्लाह यूनिवर्सिटी, अमराई परिसर, होषंगाबाद रोड, 11 मील, ओल्ड सुभाष नगर, खजूरी रोड, अयोध्या बायपास, प्रभात चैराहा, अषोका गार्डन, परिक्रमा पार्क, पुष्पा नगर, हमीदिया रोड, शाहजहांनाबाद पुतलीघर, पीरगेट, जामा मस्जिद, मोती मस्जिद, चैक बाजार, जुमेराती, आजाद मार्केट, मंगलवारा, टीला जमालपुरा, करोंद हाउसिंग बोर्ड, करोंद विष्वकर्मा नगर, करोंद पीपल चैराहा आदि क्षेत्रों से बड़ी संख्या में अतिक्रमण कर लगाये गये ठेले हटाए साथ ही नेहरू नगर क्षेत्र में 05 दुकानों के सामने बांसबल्ली के अवैध रूप से बनें शेड, राहुल नगर में अवैध रूप से लगी तार फेसिंग, अयोध्या बायपास रोड स्थित अर्जुन नगर क्षेत्र में अवैध रूप से बनीं 01 दीवार, टीला जमालपुरा एवं विश्वकर्मा नगर में अवैध रूप से बनें चबूतरे तोड़ने की कार्यवाही की।

अब शराब दुकानों पर क्यूआर कोड लगाना जरूरी

भोपाल। मध्य प्रदेश में अब एमआरपी से ज्यादा और एमएसपी से कम कीमत पर शराब नहीं बिक सकेगी। इस व्यवस्था को प्रभावी करने के लिए आबकारी विभाग ने प्रदेश की सभी शराब दुकानों पर ई-आबकारी पोर्टल द्वारा जनरेटेड क्यूआर कोड लगाना अनिवार्य कर दिया है। इसे स्कैन करते ही उपभोक्ता के मोबाइल पर संबंधित जिले की शराब की रेट लिस्ट खुल जाएगी। प्रदेश की शराब दुकानों पर हो रही मनमानी वसूली को रोकने आबकारी विभाग ने सख्ती करने का फैसला किया है। विभाग ने यह फैसला जिलों में शराब की दुकानों पर एमआरपी से अधिक दाम में शराब बेचने के साथ एमएसपी से कम कीमत पर बिक्री करने के मामलों में किया है।

एक जून से होगी कक्षा 5वीं-8वीं की दोबारा परीक्षा

राज्य शिक्षा केन्द्र का फोकस बच्चों की सुरक्षा पर

गर्मी में ओआरएस-पानी और स्वास्थ्य व्यवस्थाएं की गई अनिवार्य

भोपाल ■ निसं

राज्य शिक्षा केन्द्र ने सत्र 2025-26 में कक्षा 5वीं और 8वीं के अनुत्तीर्ण व अनुपस्थित विद्यार्थियों के लिए पुन: परीक्षा की समय सारिणी जारी कर दी है। यह परीक्षा 1 से 6 जून 2026 तक आयोजित होगी। खास बात यह है कि इस बार भीषण गर्मी को देखते हुए बच्चों की सुरक्षा पर विशेष जोर दिया गया है। परीक्षा केन्द्रों पर पेयजल, ओआरएस और स्वास्थ्य सुविधाएं अनिवार्य की गई हैं। साथ ही परीक्षा से पहले छात्रों के लिए अतिरिक्त शिक्षण की व्यवस्था भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि वे बेहतर तैयारी के साथ परीक्षा में शामिल हो सकें।

राज्य शिक्षा केन्द्र से जारी निर्देशों के अनुसार, कक्षा 5वीं और 8वीं की पुन: परीक्षा 1 से 6 जून 2026 के बीच आयोजित की जाएगी। इसमें प्रदेश के सभी शासकीय, मान्यता प्राप्त अशासकीय, अनुदान प्राप्त स्कूलों और पंजीकृत मदरसों के वे विद्यार्थी शामिल होंगे, जो मुख्य परीक्षा में फेल रहे या किसी कारणवश अनुपस्थित रहे थे। इस संबंध में सभी जिलों को दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

परीक्षा से पहले अतिरिक्त पढ़ाई पर जोर

राज्य शिक्षा केन्द्र के संचालक हरजिंदर सिंह ने स्पष्ट किया है कि पुन: परीक्षा से पहले शाला स्तर पर विषयवार अतिरिक्त शिक्षण की व्यवस्था की जाए। जिन विद्यार्थियों ने प्रोजेक्ट कार्य पूरा नहीं किया है या जिनके अंक 7 से कम हैं, उनसे प्रोजेक्ट कार्य पूरा करवाकर उसका मूल्यांकन किया जाएगा। इसके बाद प्राप्तांक पोर्टल पर दर्ज किए जाएंगे। पुन: परीक्षा के लिए परीक्षा केन्द्र केवल जनशिक्षा केन्द्र स्तर पर बनाए जाएंगे। यदि किसी केन्द्र पर 500 से अधिक परीक्षार्थी होते हैं, तो राज्य शिक्षा केन्द्र की अनुमति से अतिरिक्त केन्द्र बनाए जा सकेंगे। सभी स्कूलों की मैपिंग 15 मई तक पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि परीक्षा व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित हो सके।

पोर्टल से डाउनलोड होंगे प्रवेश पत्र: पुन: परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थियों के प्रवेश पत्र राज्य शिक्षा केन्द्र के पोर्टल से डाउनलोड किए जा सकेंगे। यह सुविधा शाला प्रमुख, जनशिक्षा केन्द्र प्रभारी, बीआरसीसी और डीपीसी के लॉगिन के माध्यम से उपलब्ध रहेगी। सभी बीआरसीसी को निर्देश दिए गए हैं कि वे सुनिश्चित करें कि 25 मई तक सभी विद्यार्थियों को उनके प्रवेश पत्र अनिवार्य रूप से मिल जाएं।

गर्मी से बचाव के लिए विशेष इंतजाम: तेज गर्मी को देखते हुए राज्य शिक्षा केन्द्र ने सुरक्षा को प्राथमिकता दी है। सभी परीक्षा केन्द्रों पर शीतल पेयजल की व्यवस्था, नियमित अंतराल पर पानी पिलाने, ओआरएस उपलब्ध कराने और पंखों की व्यवस्था अनिवार्य की गई है। साथ ही लू या डिहाइड्रेशन की स्थिति में विद्यार्थियों को तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र या अस्पताल ले जाने के निर्देश भी दिए गए हैं।

परीक्षा केन्द्र पर ही होगा प्रश्नपत्र प्रिंट

इस बार प्रश्नपत्रों की ऑन स्पॉट प्रिंटिंग परीक्षा केन्द्रों पर ही की जाएगी। इसके लिए जिला परियोजना समन्वयक को नोडल अधिकारी बनाया गया है। प्रत्येक केन्द्र पर कम से कम दो कम्प्यूटर या लैपटॉप, दो प्रिंटर, इंटरनेट सुविधा, पर्याप्त पेपर और टोनर की व्यवस्था अनिवार्य की गई है। साथ ही निर्बाध विद्युत आपूर्ति भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। पुन: परीक्षा में विद्यार्थियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने और उन्हें परीक्षा केन्द्र तक पहुंचाने की जिम्मेदारी संबंधित शाला प्रमुख और शिक्षकों को सौंपी गई है। इससे यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कोई भी पात्र विद्यार्थी परीक्षा से वंचित न रह जाए।

सम्मान से मिलता है प्रोत्साहन : मंत्री सारंग

नरेला में मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान; मंत्री सारंग ने बढ़ाया उत्साह

भोपाल ■ निसं

सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा कि बच्चे ही देश का भविष्य हैं और उनका सम्मान करना हम सभी का दायित्व है। उत्कृष्ट विद्यार्थी के सम्मान से उन्हें प्रोत्साहन मिलता है। जिससे और बेहतर कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में देश और मध्यप्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर उन्नयन हो रहा है। मंत्री सारंग नरेला विधानसभा अंतर्गत वार्ड क्रमांक 70 स्थित बिजली नगर कॉलोनी के शासकीय माध्यमिक शाला, बिजली नगर में मेधावी विद्यार्थी सम्मान एवं संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

शिक्षा के क्षेत्र में हो रहा लगातार विकास: मंत्री सारंग ने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि स्कूल और कॉलेज में पढ़ने वाला हर विद्यार्थी एक अच्छा और सच्चा नागरिक बने। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में स्कूली शिक्षा लगातार उन्नत हो रही है, जिसका परिणाम है कि बड़ी संख्या में विद्यार्थी उत्कृष्ट अंकों से उत्तीर्ण हो रहे हैं।

नरेला में शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक पहल

मंत्री सारंग ने नरेला विधानसभा में किए गए शैक्षणिक विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि नरेला विधानसभा में 2 संदीपनी विद्यालय निर्माणाधीन हैं, जो आधुनिक शिक्षा के नए केंद्र बनेंगे। क्षेत्र में विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए बाहर न जाना पड़े, इसके लिए नरेला में कॉलेज निर्माण कराया गया है। नरेला विधानसभा में स्कूलों का व्यापक उन्नयन किया गया है। स्मार्ट क्लास जैसी आधुनिक सुविधाएं सबसे पहले नरेला में प्रारंभ की गईं, जिससे डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा मिला।

भोपाल। एम्स भोपाल चिकित्सा सेवाओं और शोध के क्षेत्र में लगातार बेहतर काम कर रहा है, जिससे आम लोगों को उन्नत और भरोसेमंद इलाज मिल रहा है। इसी दिशा में संस्थान के पैथोलॉजी एवं लैब मेडिसिन विभाग के अतिरिक्त प्रोफेसर डॉ. जय चौरसिया ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशेषज्ञता का प्रदर्शन किया है। डॉ. जय चौरसिया को 22 से 24 अप्रैल 2026 तक भूटान के पारो में आयोजित 7वें साउथ-एशियन एकेडमी ऑफ साइटोपैथोलॉजी एंड हिस्टोपैथोलॉजी (एसएसीएच) सम्मेलन में वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था। इस सम्मेलन में अमेरिका, नेपाल, वियतनाम, मलेशिया और बांग्लादेश सहित कई देशों के विशेषज्ञ और प्रतिनिधि शामिल हुए। अपने व्याख्यान में डॉ. चौरसिया ने 'साइटोपैथोलॉजिकल दृष्टिकोण से दुर्लभ मामलों के निदान की चुनौतियों को समझना' विषय पर सरल तरीके से बताया कि किस प्रकार जांच की इस तकनीक के माध्यम से जटिल और दुर्लभ बीमारियों की पहचान की जा सकती है।

27 साल बाद ज्येष्ठ अधिकमास में शनिश्चरी अमावस्या का महासंयोग

16 मई को बुधादित्य और गजछाया योग के साथ चतुष्पद करण की साक्षी रहेगी

भोपाल ■ निसं

पंचांग की गणना के अनुसार 27 साल बाद ज्येष्ठ अधिकमास में शनिश्चरी अमावस्या पर 16 मई को शनिश्चरी अमावस्या का महासंयोग बनने जा रहा है। इस दिन मोक्षदायिनी शिप्रा के त्रिवेणी संगम पर पर्व स्नान होगा। देशभर से हजारों भक्त उज्जैन पहुंचेंगे। शाम को शहर के शनि मंदिरों में भगवान का जन्मोत्सव मनाया जाएगा। ज्येष्ठ अधिकमास में शनिश्चरी अमावस्या का ऐसा ही संयोग सन 1999 में बना था।

ज्योतिषाचार्य पं. अमर डब्बावाला ने बताया भारतीय ज्योतिष शास्त्र में न्याय के देवता माने जाने वाले शनिदेव का जन्म ज्येष्ठ मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या पर हुआ था। इस बार ज्येष्ठ कृष्ण अमावस्या 16 मई को शनिवार के दिन आ रही है।

शनिवार के दिन अमावस्या होने से यह शनिश्चरी अमावस्या कहलाएगी।

17 मई से 15 जून तक ज्येष्ठ अधिकमास रहेगा: विशेष यह है कि 16 मई को ज्येष्ठ अधिकमास के प्रथम पखवाड़े का आखिरी दिन है। इसके बाद 17 मई से 15 जून तक ज्येष्ठ अधिकमास रहेगा। अधिकमास की शुरुआत शनिश्चरी अमावस्या महापर्व के साथ होने से यह धर्म, अध्यात्म, दान पुण्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इस दिन भरणी नक्षत्र, सौभाग्य योग तथा चतुष्पद करण की साक्षी रहेगी। साथ ही बुधादित्य व गजछाया योग जैसे विशिष्ट योगों का संयोग भी रहेगा। इस दिन शुक्र के स्वग्रही होने को भी विशेष माना जा रहा है।

15 मई 1999 को आई थी शनिश्चिचरी अमावस्या: मान्यता है ऐसे शुभ दिन तीर्थ स्नान व शनिदेव की आराधना करने से जन्म जन्मांतर के पापों का क्षय हो जाता है तथा शनिदेव की कृपा प्राप्त होती है। 1999 में 15 मई को थी अमावस्या पं. डब्बावाला ने बताया मास, वर्ष गणना के आधार पर देखें तो ज्योष्ठ अधिकमास में शनिश्चरी अमावस्या का संयोग इस बार 16 मई 2026 को बनेगा। इससे पहले ज्येष्ठ अधिकमास में शनिश्चचरी अमावस्या 15 मई 1999 को आई थी।

इजराइल-ईरान युद्ध की वजह से कूलर महंगे

10 दिन में 20 प्रतिशत बढ़े दाम, अगले 2 हफ्तों में डबल होंगे

भोपाल ■ निसं

इजराइल-अमेरिका और ईरान युद्ध ने भारत में इस भीषण गर्मी में एक नया संकट खड़ा कर दिया है। ये संकट भी गजब का है। दरअसल, कूलर महंगे हो रहे हैं और इसके पीछे की वजह युद्ध को बताया गया है। कहा जा रहा कि वॉटर कूलर की डिमांड और सप्लाई बाधित हो रही है। साथ ही कूलर के रेट भी पिछले 10 दिन में 20% महंगे हो गए हैं। इसके बाद एक कूलर खरीदी पर जनता को 300 से 700 रुपये तक ज्यादा खर्च करने पड़ रहे हैं। इतना ही नहीं, दुकानदार के मुताबिक अगले दो हफ्तों में दाम और बढ़ने जा रहे हैं।

कुल मिलाकर विदेशी युद्ध के कारण भारत के लोग गर्मी में परेशान हैं। ये भी दावा किया गया कि भारत इस गर्मी में दुनिया का सबसे गर्म देश रिकॉर्ड किया जा रहा है। जहां दुनिया की हॉटेस्ट टॉप सिटी में भारत के 20 शहर शामिल हैं। अब इतनी भीषण गर्मी में अमेरिका-इजराइल बनाम ईरान युद्ध ने जनता को और परेशान कर दिया है। ऐसा इसलिए क्योंकि मिडिल ईस्ट के इस वॉर के कारण मध्य प्रदेश और खासकर राजधानी भोपाल में कूलर की डिमांड मुताबिक सप्लाई नहीं हो पा रही है।

दिल्ली से नहीं आ रहा नया स्टॉक: राजधानी भोपाल के वॉटर कूलर विक्रेता और निर्माता सचिन मीणा बताते हैं कि अभी हम जो अपनी करोंद स्थित फैक्ट्री पर कूलर बना रहे हैं। वहीं बेच रहे हैं, दिल्ली से सप्लायर माल की कमी के कारण कूलर का स्टॉक नहीं भेज पा रहा है। राजधानी भोपाल के बड़े दुकानदार के मुताबिक, दिल्ली से आनी वाली सप्लाई आधी ही आ रही है। वो भी बहुत लेट आ रही है। साथ ही सप्लायर भी स्टॉक की कमी की बात कही जा रही है। इस कारण कूलर के रेट पिछले 10 दिन में 20% से ज़्यादा महंगे हुए हैं।

शिक्षकों पर बोझ...

भीषण गर्मी में छात्रों को छुट्टी तो परीक्षार्थियों की विशेष क्लास लगाने के निर्देश

भोपाल ■ निसं

मध्यप्रदेश स्कूल शिक्षा विभाग के विरोधाभासी आदेशों ने प्रदेश की शैक्षणिक व्यवस्था को चिलचिलाती धूप में लाकर खड़ा कर दिया है। एक तरफ पारा 43 डिग्री के पार जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ विभाग ने 1 मई से बोर्ड की द्वितीय परीक्षा के लिए विशेष कक्षाएं लगाने के निर्देश दिए, लेकिन पढ़ाने वाले शिक्षक ही नदारद रहेंगे। लोक शिक्षण संचालनालय संचालक केके द्विवेदी द्वारा जारी आदेश के मुताबिक 1 अप्रैल से शुरू हुआ नवीन सत्र 30 अप्रैल तक चलेगा, जबकि इंदौर सहित आधे से ज्यादा प्रदेश के जिलों में भीषण गर्मी को देखते हुए 8वीं तक की छुट्टियां तो घोषित कर दी गई हैं, लेकिन असली संकट 10वीं और 12वीं के छात्रों के सामने है, जिनकी द्वितीय परीक्षाएं 7 मई से शुरू हो रही हैं। इसके लिए 1 मई से विशेष कक्षाएं अनिवार्य की गई हैं, वहीं अतिथि शिक्षकों का अनुबंध 30 अप्रैल को समाप्त हो रहा है, जो जिले के 60 से 70 फीसदी स्कूलों में गणित, विज्ञान और अंग्रेजी जैसे मुख्य विषय की कक्षाएं संभाल रहे हैं। इसके अलावा 1 मई से ही लगभग 70 फीसदी नियमित शिक्षकों की ड्यूटी जनगणना कार्य में लगा दी गई है।

कौन पढ़ाएगा... संशय बरकरार: सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब 30 अप्रैल को अतिथि शिक्षक कार्यमुक्त हो जाएंगे और नियमित शिक्षक जनगणना के रजिस्टर भरेंगे तो विशेष कक्षाओं में विद्यार्थियों को कौन पढ़ाएगा। विशेषकर उन ग्रामीण क्षेत्रों में, जहां ज्यादातर स्कूल अतिथि शिक्षकों के भरोसे चल रहे हैं, वहां ताले लटकने की नौबत आ सकती है।

शिक्षा विभाग के गलियारों में अब चर्चा आम है कि भोपाल में ठंडे कैबिनों में बैठकर फैसले लेने वाले अधिकारी जमीनी हकीकत से कोसों दूर हैं।

निगम के विशेष सम्मेलन में महापौर द्वारा रखा गया निंदा प्रस्ताव ध्वनि मत से हुआ पास

महिलाएं अपने अधिकारों के प्रति सजग विपक्ष को सिखायेंगी सबक-महापौर अमृता यादव

कांग्रेस और विपक्ष द्वारा नारी शक्ति वंदन का विरोध महिलाओं के अधिकार और सम्मान का हनन

खंडवा ■ निसं

नगर पालिका निगम द्वारा निगम का विशेष सम्मेलन मंगलवार को दोपहर 12:00 बजे निगम सभागृह में आयोजित हुआ। विशेष सम्मेलन नारी शक्ति अधिनियम महिला आरक्षण विधेयक लोकसभा में पारित नहीं होने के संबंध में निंदा प्रस्ताव को लेकर आयोजित था। समाजसेवी एवं निगम में विधायक प्रतिनिधि सुनील जैन ने बताया कि निगम सचिव सचिन सिटोले द्वारा कार्यवाही प्रारंभ कर आयोजित विशेष सम्मेलन में सर्वप्रथम सामूहिक राष्ट्रगान हुआ। तत्पश्चात सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल के भाई के निधन पर सदन में 2 मिनट का मोन रख उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। तत्पश्चात परिषद अध्यक्ष अनिल विश्वकर्मा द्वारा 2 मिनट का सदन में अंतराल रखा गया। उसके पश्चात विशेष सम्मेलन की कार्यवाही प्रारंभ हुई। विशेष सम्मेलन में महापौर अमृता अमर यादव द्वारा निंदा प्रस्ताव रखते हुए कहा गया कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम परिसीमन बिल जो देश की महिलाओं को सशक्त एवं लोकसभा विधानसभा में उनकी अधिक सहभागिता के लिए लोकसभा सदन में 16 अप्रैल को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं उनकी कैबिनेट द्वारा महिलाओं के सम्मान में सदन में पेश किया गया था, जो महिला विरोधी विपक्षी कांग्रेस और अन्य विपक्षी पार्टियों द्वारा पारित नहीं होने दिया गया, हम नगर पालिका निगम परिषद के सदस्य परिषद की इस बैठक में निंदा प्रस्ताव रखते हुए इसकी घोर निंदा करते हैं। महापौर के द्वारा रखे गए निंदा प्रस्ताव को ध्वनि मत से मंजूरी दी गई।

आयोजित विशेष सम्मेलन में परिषद अध्यक्ष अनिल विश्वकर्मा,महापौर अमृता अमर यादव, एमआईसी सदस्य राजेश यादव, सोमनाथ काले, विक्की वरुण भांवरे अनिल वर्मा के साथ ही विधायक प्रतिनिधि सुनील जैन पार्षदगण, निगम आयुक्त प्रियंका राजावत सहित निगम के अधिकारी उपस्थित थे, विशेष रूप से खंडवा विधायक कंचन मुकेश तनवे द्वारा निगम आयुक्त को सौपे गए पत्र अनुसार विधायक प्रतिनिधि के रूप में बैठक में सुनील जैन भी उपस्थित हुए। प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि बैठक समाप्ति के पश्चात महापौर अमृता यादव के नेतृत्व में सभी भाजपा पार्षदों ने कांग्रेस के खिलाफ नारे लगाए और कहां की नारी शक्ति का ये अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान के साथ ही पत्रकारों से चर्चा के दौरान महापौर अमृता यादव ने कहा कि सोमवार को भोपाल में विधानसभा में भी निंदा प्रस्ताव पास हुआ, उसी के अंतर्गत खंडवा निगम में भी विशेष सम्मेलन के तहत निंदा प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। मध्यप्रदेश सहित देश की बहनें अपने अधिकारों के प्रति सजग हैं और महिलाओं के अधिकारों में रोड़ा अटकाने वाले विपक्षी दलों को देश की नारी शक्ति सबक सिखाने को तैयार है।

कांग्रेस की कथनी और करनी में अंतर है और भाजपा जो कहती है करके दिखाती है एक और कांग्रेस की नेत्री प्रियंका कहती है कि मैं बेटी हूं लड़ सकती हूं लेकिन जब महिलाओं के सम्मान की बात आती है तो विरोध में खड़ी होती हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश की संसद और राज्यों की विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए लाए गए 'नारी शक्ति वंदन' अधिनियम का विरोध महिलाओं के अधिकार और सम्मान का हनन है। कांग्रेस और विपक्षी दलों ने संसद में इस अधिनियम को पारित नहीं होने दिया। महापौर ने कहा कि कांग्रेस और विपक्षी दलों ने 'नारी शक्ति वंदन' अधिनियम का विरोध कर महिलाओं का अधिकार छीना है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में महिलाओं को अधिकार संपन्न बनाकर देश की तस्वीर और तकदीर बदलने का बड़ा प्रयास था, जिसे कांग्रेस और विपक्षी दलों ने पूरा नहीं होने दिया।

पत्रकारिता विश्वविद्यालय खंडवा परिसर पर संकट, खंडवा विधायक ने सीएम को दिया पत्र

खंडवा ■ निसं

जिले में स्थित माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के खंडवा परिसर 'कर्मवीर विद्यापीठ' को लेकर एक बार फिर चिंता गहराती नजर आ रही है। परिसर की मौजूदा स्थिति और संभावित बंद होने की आशंका के बीच खंडवा विधायक कंचन तनवे ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

समाजसेवी व प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि विधायक द्वारा दिए गए पत्र में बताया गया है कि विश्वविद्यालय द्वारा सत्र 2026-27 के लिए जारी विज्ञापन में खंडवा परिसर को शामिल नहीं किया गया है, जिससे यहां प्रवेश प्रक्रिया ठप हो गई है। यह स्थिति न केवल क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए चिंता का विषय है, बल्कि पंडित माखनलाल चतुर्वेदी की कर्मभूमि खंडवा के शैक्षणिक महत्व पर भी प्रश्नचिन्ह खड़ा करती है। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि परिसर में लंबे समय से बुनियादी सुविधाओं का अभाव बना हुआ है।

नियमित पाठ्यक्रमों (UG/PG) में प्रवेश बंद हैं और केवल सीमित स्तर पर डिप्लोमा कोर्स संचालित किए जा रहे हैं। भवन, लेब, स्टूडियो और फैकल्टी जैसी मूलभूत व्यवस्थाएं भी पर्याप्त नहीं हैं। विधायक कंचन तनवे ने पूर्व में की गई घोषणाओं का हवाला देते हुए कहा कि खंडवा परिसर के लिए भूमि आवंटन और भवन निर्माण की प्रक्रिया अब तक कागजों तक सीमित है। 5 एकड़ भूमि मिलने के बावजूद निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया है।

माधव नगर में हुआ स्वच्छता संवाद

नगर निगम के साथ मिलकर शहरवासी जगाएंगे स्वच्छता की अलख

ग्वालियर ■ निसं

नगर निगम द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण 2025.26 के तहत किए जा रहे स्वच्छता संवाद का आयोजन माधवनगर में किया गया। इस अवसर पर आमजनों ने शपथ ली कि वह नगर निगम के साथ कंधे से कंधा मिलाकर शहर को साफ स्वच्छ बनाने में अपनी सहभागिता करेंगे। इस अवसर पर पूर्व सांसद, पूर्व महापौर विवेक नारायण शेजवलकर स्थानीय पार्षद श्रीमती अपर्णा पाटिल, नगर निगम के अपर आयुक्त टी प्रतीक राव, आईईसी टीम एवं स्थानीय नागरिक बडी संख्या में उपस्थित रहे।

स्वच्छता संवाद को संबोधित करते हुए पूर्व सांसद, पूर्व महापौर श्री विवेक नारायण शेजवलकर ने कहा कि शहर को स्वच्छ रखना हम सभी की जिम्मेदारी है, अगर हम सोचे कि नगर निगम अकेले यह कार्य कर सकती है तो यह संभव नहीं है। हम सभी को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि अपने घर से कचरा अलग-अलग कर कचरा गाडी में ही डालें।

बुधनी में किसान आक्रोश

कांग्रेस का बड़ा प्रदर्शन, जीतू पटवारी का सरकार पर तीखा हमला

बुधनी ■ निसं

मध्य प्रदेश किसान कांग्रेस के तत्वावधान में बुधवार को किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर महाराणा प्रताप तिराहे पर किसान आक्रोश धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। भीषण गर्मी के बावजूद सुबह से ही दूर-दूर से कांग्रेस नेता, कार्यकर्ता और किसान कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे। करीब चार घंटे तक चले इस धरना-प्रदर्शन में बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी रही।

कार्यक्रम में शामिल होने जीतू पटवारी दोपहर एक बजे बुधनी पहुंचे, जहां कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। इस दौरान कार्यकर्ता जेसीबी मशीन पर चढ़कर पुष्प वर्षा करते नजर आए। कई वर्षों बाद बुधनी में कांग्रेस का इतना बड़ा प्रदर्शन देखने को मिला।

कार्यक्रम में सचिन यादव, सुखदेव पांसे, सज्जन सिंह वर्मा, राजकुमार पटेल, शैलेंद्र पटेल सहित कई वरिष्ठ नेता एवं महिला नेत्री मौजूद थीं। इस दौरान मंच से वरिष्ठ नेताओं ने भाषण देते हुए भाजपा सरकार को आड़े हाथों लिया और किसानों के मुद्दों पर सरकार की नीतियों की कड़ी आलोचना की।

धरना-प्रदर्शन को संबोधित करते हुए जीतू पटवारी ने आरोप लगाया कि प्रदेश में किसानों के साथ अन्याय हो रहा है। उन्होंने कहा कि समय पर फसल खरीदी न होने के कारण किसानों को कम दामों पर उपज बेचनी पड़ी, जिससे उन्हें भारी नुकसान हुआ। भूमि अधिग्रहण के मुद्दे पर भी उन्होंने सरकार को घेरते हुए कहा कि किसानों को चार गुना मुआवजा देने का वादा किया गया था, लेकिन उन्हें उचित मूल्य नहीं मिला। उन्होंने चेतावनी दी कि किसानों की समस्याओं को लेकर आगामी 7 मई को कांग्रेस पार्टी इंदौर-आगरा-मुंबई हाईवे जाम करेगी।

कार्यक्रम शुरू होने से पहले मंच के आसपास लगे होर्डिंग्स में स्थानीय नेताओं की फोटो नदारद रहने पर चर्चाओं का विषय बना। हालांकि, वरिष्ठ नेताओं ने स्थिति को संभालते हुए मामले को शांत कराया, जिसके बाद कार्यक्रम सुचारू रूप से जारी रहा। कार्यक्रम संपन्न होने के बाद कांग्रेस पार्टी ने धरना स्थल पर बुधनी तहसीलदार ललित सोनी को मांग पत्र सौंपा। इस दौरान रवि शर्मा (एसडीओपी) सहित प्रशासन के अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। कार्यक्रम को देखते हुए स्थानीय प्रशासन द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

धरना-प्रदर्शन के बाद कांग्रेस नेताओं ने किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर प्रशासन को जमांग पत्र सौंपा। इसमें गेहूं खरीदी में सभी किसानों को शामिल करने, एमएसपी से कम दाम पर फसल बेचने वालों को भावांतर योजना का लाभ देने, खाद की पर्याप्त व्यवस्था, भूमि अधिग्रहण में उचित मुआवजा, मूंग खरीदी की समयबद्ध प्रक्रिया, ऋण ब्याज में राहत, सत्यापन में पारदर्शिता, नरवाई मामलों में राहत तथा उपार्जन क्षमता बढ़ाने जैसी प्रमुख मांगें शामिल हैं।

29 आदिवासियों की 44 एकड़ जमीन पर इंडस्ट्री का कब्जा

इंदौर ■ निसं

इंदौर जिला प्रशासन पर 29 आदिवासी किसानों की पुश्तैनी जमीन लैंड यूज नियमों को नजरअंदाज कर उद्योग को लीज पर देने का आरोप है। किसानों का दावा है कि उनकी कृषि भूमि को गलत तरीके से नजूल भूमि घोषित कर दिया गया, जिससे 29 परिवार अब मजदूरी करने को मजबूर हैं। बेबस किसानों ने अब न्याय के लिए कोर्ट की शरण ली है।

सरकारी योजना के तहत मिली थी जमीन: पूरा मामला पीथमपुर के पास काली बिल्लोद स्थित खसरा नंबर 278 की करीब 44 एकड़ की जमीन का है। 1976 में सरकार ने 29 अनुसूचित जनजाति (स्ञ्ञ) के परिवारों को शासन की एक योजना के तहत यह जमीन अलॉट की गई थी। उस समय शासन ने इन परिवारों को वन भूमि पर काबिज मानते हुए पट्टे दिए थे। राजस्व विभाग ने इन्हें राजस्व भूमि मानकर भू- अधिकार प्रमाण भी जारी किए थे।

नामांतरण में गड़बड़ी और रिकॉर्ड में बदलाव: मामले में वारिसों के नामांतरण में लापरवाही बरतने और दस्तावेजों में कथित हेरफेर करने का भी आरोप है। इसी का फायदा उठाकर भूमि के रिकॉर्ड में बदलाव किए गए। दरअसल, मार्च 2025 में इस जमीन को पहले औद्योगिक केंद्र विकास निगम (त्र्यङ्कह्) को हस्तांतरित किया गया और बाद में इसे 'शक्ति पंप इंडस्ट्रीज' को लीज पर दे दी गई।

बिना किसी सूचना के बेदखली: किसानों का कहना है कि उन्हें बिना किसी पूर्व सूचना और सुनवाई के जमीन से बेदखल करने की कोशिश की गई। मौके पर प्रशासन, पुलिस और उद्योग से जुड़े लोग पहुंचे और उन पर दबाव बनाया।

सागर के मोतीनगर में लकड़ी के टाल में आग

फायर ब्रिगेड ने एक घंटे में पाया काबू, धुआं उठते देख हड़कंप मचा

सागर ■ निसं

सागर के मोतीनगर इलाके में थाने के पास बने लकड़ी के टाल में सोमवार देर रात आग लग गई। आग की लपटें और धुआं उठते देख हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस और प्रशासन को सूचना दी गई। सूचना पर निगम की फायर फाइटर गाड़ी मौके पर पहुंची और आग बुझाने की मशक्कत शुरू की। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया।

आग में टाल में रखी लकड़ी जली है। गनीमत रही थी आग पर समय रहते काबू पा लिया गया, वरना बड़ा नुकसान हो सकता था। क्योंकि टाल के आसपास रहवासी इलाका लगा हुआ है। घटना की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है।

मुकुल पुरोहित ने बताया कि हमारे किराएदार सतनाम सिंह के टाल में आग लगी थी। सूचना पर तत्काल पुलिस को जानकारी दी। आग बुझा ली गई है। आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हुआ है।

छत पर सो रहा था परिवार, भटोली कुमेरिया गांव की घटना

सागर में मकान की छत गिरी, बेटे की मौत, पिता घायल

सागर ■ निसं

सागर के गढ़ाकोटा थाना क्षेत्र के ग्राम भटोली कुमेरिया में मकान की छत गिर गई। घटना में मलबे की चपेट में आने से बेटे की मौत हो गई, जबकि पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना देख ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घायल को अस्पताल में भर्ती कराया। सूचना पर पुलिस ने मामला जांच में लिया है।

जानकारी के अनुसार, ग्राम भटोली कुमेरिया में मंगलवार सुबह गोविंद लड़िया के मकान की छत गिर गई। घटना के समय छत पर गोविंद लड़िया और उनका 14 वर्षीय बेटा केशव लड़िया सो रहे थे। तभी अचानक छत भरभराकर गिर गई।

बेटे की मौत, पिता गंभीर रूप से घायल: घटना में केशव के सिर में गंभीर चोट आने से उसकी मौत हो गई, जबकि गोविंद लड़िया गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया, जिसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

बारिश से कमजोर हुई थी छत: ग्रामीणों के अनुसार, एक दिन पहले हुई बारिश के कारण मकान की छत में पानी भर गया था, जिससे उसकी सीलिंग कमजोर हो गई थी। सुबह यह हादसा हो गया। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है।

गढ़ाकोटा थाना प्रभारी शिवम दुबे ने बताया कि मकान की छत गिरने से नाबालिग की मौत हुई है। मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। प्रशासन ने भी घटनास्थल का पंचनामा तैयार किया है।

इंदौर में पार्षद कालरा के खिलाफ जनसुनवाई में पहुंचे लोग

अवैध वसूली का आरोप, 10 हजार दो नहीं तो दुकान टूटेगी

आजाद नगर में गंदे पानी पर फूटा गुस्सा

इंदौर ■ निसं

इंदौर में नगर निगम की जनसुनवाई में मंगलवार को कुछ लोग पार्षद कमलेश कालरा की शिकायत लेकर पहुंच गए। उन्होंने पार्षद पर अ?वैध वसूली का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उनसे 10 हजार रुपए की मांग की गई है। नहीं देने पर दुकान तोड़ने की बात कही थी। वे डिमांड पूरी नहीं कर पाए तो दुकानों को तोड़ दिया गया। पार्षद कमलेश कालरा की दुकानों को लेकर की गई बातचीत की ऑडियो रिकॉर्डिंग भी सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। जिसमें वे दुकानों को लेकर बातचीत कर रहे थे।

10 हजार की डिमांड का आरोप: शिकायतकर्ता विजय चौहान ने बताया कि हमारी 30-35 साल पुरानी दुकानें खातीवाला टैंक में महाकाल चौराहे के पास थी। पार्षद ने हमें अ?वैध वसूली के लिए धमकाया कि दस हजार रुपए महीना हमें दो, नहीं तो दुकान तोड़ दी जाएगी। नगर निगम की पीली गाड़ी भी आकर कहती थी, पार्षद से बात कर लो, नहीं तो दुकान तोड़ देंगे। विजय ने आरोप लगाते हुए कहा कि हमने जब पार्षद से बात की और बताया कि हम गरीब व्यक्ति है इतना पैसा कहां से देंगे। हम पैसे नहीं दे पाए तो हमारे दुकानों को तुड़वा दिया गया। अधिकारियों ने जांच का आश्वासन दिया है। सांची पाइंट, प्रेस की दुकान, चाय की दुकान, कपड़ों पर रंग करने सहित ऐसी सात दुकानें यहां पर थी।

दो महीने पहले ही हुई पति की मौत, कहां से दूं पैसा: चाय की दुकान संचालित करने वाली अनिता बाई ने बताया कि हमें दुकान तोड़ने की धमकी दी। नगर निगम की पीली गाड़ियां आती थी। बोले पार्षद से बात कर लो। दस हजार देने का बोला था, नहीं दे पाए तो दुकान तोड़ दी। मेरे पति की मौत को दो महीने भी पूरे नहीं हुए और मुझसे दस हजार रुपयों की डिमांड की जा रही थी। मैं कहां से देती। मैं परिवार चलाऊं या उन्हें पैसा दूं।

गुणवत्ता, सुरक्षा एवं निर्माण कार्य में लापरवाही पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

अमृत 2.0 सीवरेज प्रोजेक्ट के तहत महापौर ने किया फील्ड निरीक्षण

खंडवा ■ निसं

आज महापौर श्रीमती अमृता अमर यादव के नेतृत्व में अमृत 2.0 सीवरेज प्रोजेक्ट के अंतर्गत शहर में चल रहे सीवरेज कार्यों की प्रगति का फील्ड निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान निगम अध्यक्ष श्री अनिल विश्वकर्मा, एमआईसी सदस्य श्री सोमनाथ काले, श्री राजेश यादव, श्री विक्की भांवरे, पार्षद श्री अरुण यादव, श्रीमती सीमा यादव, श्रीमती सुवर्णा पालीवाल, श्रीमती रानी वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिला क्रमांक 2 के विभिन्न वार्डों में कार्य प्रगति का जायजा: निरीक्षण के दौरान डिस्ट्रिक्ट क्रमांक 2 अंतर्गत वार्ड क्रमांक 36, 35, 50 एवं 48 में संचालित कार्यों का अवलोकन किया गया। विशेष रूप से वार्ड क्रमांक 50 में सीवरेज पाइपलाइन डालने हेतु किए जा रहे उत्खनन कार्य का निरीक्षण किया गया।

252 किलोमीटर सीवरेज लाइन बिछाने का लक्ष्य: महापौर ने बताया कि संपूर्ण खंडवा नगरीय क्षेत्र में लगभग 252 किलोमीटर लंबी सीवरेज लाइन डाली जानी है। वर्तमान में लगभग 15 किलोमीटर लाइन डाली जा चुकी है तथा करीब 8 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। परियोजना की कुल कार्यावधि 2 वर्ष निर्धारित है।

गुणवत्ता से समझौता नहीं, क्रैक पाइप पाए जाने पर होगी पुनः खुदाई: महापौर श्रीमती अमृता अमर यादव ने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी परिस्थिति में क्षतिग्रस्त या क्रैक पाइपलाइन नहीं डाली जाए। यदि इस प्रकार की कोई शिकायत प्राप्त होती है तो संबंधित स्थल पर पुनः खुदाई करवाकर पाइपलाइन बदली जाएगी। उन्होंने निर्माण कार्य में गुणवत्ता, सार्वजनिक सुरक्षा एवं तकनीकी मानकों का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए।

सीसी रोड की सुरक्षा के लिए तकनीकी सावधानी बरतने के निर्देश: निरीक्षण के दौरान यह भी निर्देशित किया गया कि जहां सीसी रोड पर क्रॉस कटिंग की जा रही है, वहां पर्याप्त गहराई एवं तकनीकी सावधानी के साथ खुदाई कार्य किया जाए, ताकि पाइपलाइन क्षेत्र के अतिरिक्त अन्य हिस्सों में सीसी सड़क पर किसी प्रकार की दरार या क्षति उत्पन्न न हो।

अनमोल वचन

भविष्य केवल उनका है जो सपनों की सुंदरता में यकीन करते है।
एलेअनोर रूज़वेल्ट

हमारी पहचान हमेशा हमारे द्वारा छोड़ी गई उपलब्धियों से होती है।
अमरीकी कहावत

सम्पादकीय

दल बदल कानून की आड़ में दल बदल

भारत में इस समय संविधान, कानूनों और नियमों का उपयोग गैर कानूनी एवं अनैतिक तरीके से हो रहा है। संविधान, नियम और कानून का पालन कराने वाले जो लोग कुर्सियों पर विराजमान हैं, वह इन कानूनो का दुरुपयोग करने वालों का संरक्षण कर रहे हैं। जिसके कारण नियम और कानूनो को लेकर आम आदमी का विश्वास धीरे-धीरे खत्म होता चला जा रहा है। यह देश के लिए एक चिंताजनक स्थिति है। भारत में दल बदल कानून इसलिए बनाया गया था, ताकि राजनीतिक दलों में जो लोग किसी पार्टी और विचारधारा से चुनाव जीतकर आते हैं। वह दल बदल करके अपने निजी लाभ के लिए अनैतिक काम न करने पाएं। उसको रोकने 1985 में संविधान में 52वां संशोधन करके दल बदल कानून बनाया गया था। इस कानून में विभाजन, मर्जर, विलय जैसी स्थितियों को परिभाषित किया गया था। 2003 में संविधान में 91 संशोधन के जरिए पुन: संशोधन करना पड़ा। विलय को पुन: परिभाषित किया गया। नियम और कानून में संविधान में संशोधन के बाद भी दल बदल बड़े पैमाने पर होता रहा। 2014 के बाद दल बदल की घटनाएं और भी तेजी के साथ बढ़ना शुरू हो गई। आज दल बदल कानून एक ऐसा कानून बन गया है, जिसकी आड़ में बड़े पैमाने पर दल बदल हो रहा है। राजनीति में भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी को बढ़ा दिया है। सांसदों और विधायकों के संसद और विधानसभा में अभिव्यक्ति के अधिकार को सीमित कर दिया है। निर्वाचित सांसद या विधायक किसी बिल पर सहमत नहीं हों, उसे खुलकर बहस में भाग लेने या मतदान करने की अनुमति नहीं होती है। पार्टी लाइन के विरोध में मतदान करना चाहेगा, तो उसकी सदस्यता खत्म हो जाएगी। दल बदल कानून के अंतर्गत निर्वाचित सांसदों और विधायकों की अपने मतदाताओं और अपने कर्तव्यों को लेकर अपनी राय जाहिर करने का अधिकार भी खत्म हो गया है। अब पार्टी तय करती है, सांसदों और विधायकों को पार्टी लाइन पर ही मतदान करना होगा, अन्यथा उसकी सदस्यता चली जाएगी। जिसके कारण दल बदल कानून भारतीय लोकतंत्र और भारतीय संविधान का काला कानून बन गया है। कानून और नियम तभी तक स्वीकार्य होते हैं, जब समाज में नैतिकता होती है। यदि नागरिक, नेता, अधिकारी और जिनके कंधों पर जिम्मेदारी है, वह नैतिक और जिम्मेदार नहीं होंगे। जिस तरह से पिछले तीन-चार दशकों में नैतिकता का स्थान अब अनैतिकता ने ले लिया है। जो जीता वही सिकंदर की तर्ज पर नियम और कानूनो का दुरुपयोग शुरू हुआ है। उसके बाद स्थितियां बद से बदतर होती चली जा रही हैं। संविधान ने न्यायपालिका को सर्वोच्च स्थान पर रखा था। न्यायपालिका के पास सीधे कोई अधिकार नहीं है। कानून बनाने की विधायिका को, कार्यपालिका को यह जिम्मेदारी दी गई, जो भी नियम-कानून बनाए जाते हैं, उनके अनुसार कार्यपालिका की जिम्मेदारी तय है। संविधान ने न्यायपालिका को दोनों संवैधानिक संस्थाओं के कार्यों की समीक्षा का अधिकार दिया। नागरिकों के मौलिक अधिकारों का संरक्षण, नियम, कानून और कायदे से कार्यपालिका और विधायिका काम कर रही है, या नहीं। इसकी समीक्षा का अधिकार न्यायपालिका के पास है। न्यायपालिका के आदेशों का पालन करना कार्यपालिका और विधायिका के लिए अनिवार्य है। पिछले कुछ वर्षों में न्यायपालिका संविधान के प्रति अपनी जवाबदेही और कर्तव्यों को लेकर कमजोर होती हुई दिख रही है। न्यायपालिका में भी सरकारी दबाव, भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, जवाबदेही का अभाव स्पष्ट रूप से दिखने लगा है। जिसके कारण अब न्यायपालिका के प्रति लोगों का वह विश्वास खत्म हो रहा है। पिछले कुछ वर्षों में सरकार अपने हर निर्णय को सही ठहराती है। जब उनका विरोध होता है, तब सरकार कहती है न्यायपालिका चले जाओ। न्यायपालिका जाने पर भी वर्षों तक न्याय नहीं मिलता है। तारीख पर तारीख मिलती रहती है, जो फैसले आ रहे हैं, वह आधे अधूरे होते हैं। जिसके कारण कानून के प्रति आम आदमी को विश्वास नहीं रहा। दल बदल कानून का जिस तरह से दुरुपयोग हुआ है। आसंदी में बैठे हुए अध्यक्ष एवं सभापति जो बहुमत के आधार पर चुने जाते हैं। उन्होंने अपने अधिकारों का पार्टी के हितों के लिए दुरुपयोग किया है। सही समय पर फैसला नहीं दिया, फैसला दिया तो वह नियम और कानून के अनुसार नहीं था। जिसकी लाठी, उसकी भैंस का जो कानून हजारों लाखों वर्ष से चला आ रहा था, वही कानून अब लोकतांत्रिक व्यवस्था में भी स्थान ले रहा है। दल बदल कानून में आसंदी अपनी राजनीतिक निष्ठा के अनुसार अलग-अलग निर्णय देती हैं। कुछ इसी तरह की स्थिति हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की भी देखने को मिलने लगी है। महाराष्ट्र में जब दल बदल हुआ था, सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपाल के निर्णय और दल बदल को गैर संवैधानिक बताया। इसके बाद भी सरकार चलती रही। महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष के निर्णय की न्यायिक समीक्षा समय पर नहीं हुई। दल बदलू सरकार ने अपना कार्यकाल पूरा कर लिया। उसके बाद दूसरा चुनाव भी हो गया। आम आदमी पार्टी के 7 सांसदों ने राज्यसभा में आम आदमी पार्टी से इस्तीफा देकर भाजपा में चले गए है। जैसे ही उन्होंने दल बदलने का आवेदन किया। राज्यसभा के सभापति ने बिना किसी सुनवाई के उन्हें भाजपा का सांसद मान लिया। आम आदमी पार्टी की सरकार पंजाब में है, उसके विधायक हैं राष्ट्रीय स्तर की पार्टी है, राज्यसभा के सभापति ने यह देखने की जहमत नहीं उठाई, दल बदल कानून में नियमों का पालन हुआ है, या नहीं, जबकि आम आदमी पार्टी ने अपनी आपत्ति राज्यसभा सचिवालय को सौंप दी थी। वर्तमान हालात को देखते हुए यही कहा जा सकता है। संविधान, लोकतंत्र, कानून का राज, लट्ठ तंत्र के अधीन है। जिसके पास लाठी की ताकत है, कानून उसका ही चलेगा। विधायिका हो, चाहे न्यायपालिका हो या कार्य पालिका हो, लाठी की ताकत से सभी को नियंत्रित होना ही होता है। संविधान की लाठी कमजोर हो गई है। सत्ता पक्ष की लाठी ज्यादा मजबूत है। जो मजबूत है, वहीं शासन कर सकता है। अनादि काल से यही सत्य देखते आ रहे हैं, यही सत्य अंत तक बना रहेगा।

चिंतन-मनन

धन का भार

पाटलिपुत्र में नाभिकुमार की गिनती सबसे संपन्न लोगों में होती थी। लेकिन अपार धन-संपत्ति होते हुए भी उन्होंने कभी दान नहीं दिया था। कई लोगों ने उन्हें इस बारे में कहा था पर उन्होंने ध्यान नहीं दिया। एक रात उनके घर चोर ने सेंध लगाई। उसने सावधानी से घर का कीमती सामान एकत्र किया और उसकी एक बड़ी पोटली बनाई। पोटली सिर पर रखते ही वह गिर गई और आवाज होते ही नाभिकुमार की आंखें खुल गईं। यह चोर के पास आए और पोटली उठाने में उसकी मदद करने लगे। चोर को डर से कांपते हुए देखकर नाभिकुमार ने उससे कहा-डरो मत, तुम यह सब ले जा सकते हो। मगर तुम भी मेरे ही जैसे लगते हो। मैंने भी अपने जमा धन से किसी और के लिए कुछ नहीं निकाला। इसलिए मेरा धन भी मुझ पर भार की तरह है। अगर तुम भी मेरी तरह नहीं करते और पोटली में से थोड़ा सामान निकाल लिए होते तो तुम्हारे लिए इसे उठाना आसान हो जाता। खैर, तुम अब यह सामान ले जा सकते हो। चोर यह सुनकर दंग रह गया। उसने प्रायश्चित करने के उद्देश्य से कहा- आप यह सब वापस ले लीजिए और मुझे क्षमा कीजिए। नाभिकुमार ने कहा- तुम्हें एक ही शर्त पर क्षमा किया जा सकता है। तुम इसमें से कुछ धन ले लो और कोई काम-धंधा शुरू कर दो। इस प्रकार मेरा धन परोपकार के काम में लग जाएगा और तुम्हारा जीवन भी सुधर जाएगा। चोर ने वैसा ही किया। नाभिकुमार उस दिन से हर किसी की सहायता करने लगे।

जल गंगा संवर्धन अभियान: बूंद-बूंद पानी बचाने का संकल्प

निलय श्रीवास्तव

यह एक ऐसा संकट है जो मानव द्वारा ही निर्मित किया गया है। पर्याप्त वर्षा होने पर भी जल भंडारण तथा पानी के उपयोग के प्रति ईमानदारी न होना इस संकट को आमंत्रण देता है। प्राय: देखा गया है कि कई बार तो उम्मीद से ज्यादा बारिश होने के बावजूद प्रदेश के कुछ हिस्सों में साल भर जल की उपलब्धता सुनिश्चित नहीं हो पाती। इसका प्रत्यक्ष कारण जल के महत्व के प्रति लोगों में जागरुकता का अभाव है।

मालवा में एक कहावत है ''मालव भूमि गहन गंभीर, पग-पग रोटी डग-डग नीर''। उक्त कहावत की पग-पग रोटी की बात तो आज भी कायम है, परंतु डग-डग नीर की बात कुछ वर्षो से झूठी साबित हो रही है। बता दें कि सिर्फ मालवा ही नहीं बल्कि प्रदेश के अन्य हिस्सों में जल संकट तब सताने लगता है जब मई का महिना आरम्भ होता है। यह एक ऐसा संकट है जो मानव द्वारा ही निर्मित किया गया है। पर्याप्त वर्षा होने पर भी जल भंडारण तथा पानी के उपयोग के प्रति ईमानदारी न होना इस संकट को आमंत्रण देता है। प्राय: देखा गया है कि कई बार तो उम्मीद से ज्यादा बारिश होने के बावजूद प्रदेश के कुछ हिस्सों में साल भर जल की उपलब्धता सुनिश्चित नहीं हो पाती। इसका प्रत्यक्ष कारण जल के महत्व के प्रति लोगों में जागरुकता का अभाव है। प्रदेश में पानी की कमी नहीं रहे तथा खेत, उद्योगों को पर्याप्त मात्रा में पानी मिले, इसकी चिंता मध्यप्रदेश की मोहन यादव सरकार कर रही है। सरकार ने प्रदेश भर में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाकर जल संरक्षण और पानी की बचत के प्रति लोगों में उत्सुकता जगाने का प्रयास किया है। सरकार चाहती है कि खेत, उद्योग और अन्य आवश्यक संसाधनों को उचित मात्रा में पानी मिले तथा साल भर इसकी कमी न रहे। जल गंगा संवर्धन अभियान का मुख्य उद्देश्य जनसहभागिता से नदियों, तालाबों, बावडियों और अन्य जल स्त्रोतों का पुनरुद्धार, सफाई और संरक्षण करना है। मध्यप्रदेश में इस वर्ष विगत् 19 मार्च से आरम्भ यह अभियान आगामी 30 जून तक चलेगा। प्रदेश के इंदौर, खण्डवा, नर्मदापुरम्, बुरहानपुर, धार, मुरैना सहित अन्य जिलों में भूजल स्तर को बढ़ाने तथा पानी के संरक्षण के प्रति लोगों का ध्यान आकर्षित करने के उद्देश्य से जल संरक्षण और पानी की बचत के प्रति संकल्प को दौहराना है।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रकृति प्रेमी हैं। वे स्वच्छता तथा पुरातात्वीय धरोहरों को सहेजने पर विशेष ध्यान देते हैं। प्रदेश के प्राचीन तालाबों, बावडियों तथा जल स्त्रोतों का पुनरुद्धार कर उन्हें पुन: जीवित करने के लिये वे अक्सर चिंतित भी रहते हैं। उनके ही मार्गदर्शन तथा देखरेख में प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान की शुरुआत हुयी थी जो अब तीव्रतर हो चली है। डॉ- मोहन यादव के शब्दों में ''हम जल संरक्षण के महत्व को जन सामान्य तक पहुँचाने का भरसक प्रयास कर रहे हैं। स्वच्छता के साथ पानी की बचत के प्रति लोग जागरूक हो रहे हैं। बूंद - बूंद पानी का संरक्षण और जनभागीदारी के सिद्धांत पर आधारित जल गंगा संवर्धन अभियान पारम्परिक जल स्त्रोतों के पुर्नजीवन और प्रदेश को जल सम्पन्न बनाने की दिशा में प्रभावकारी सिद्ध हो रहा है''। प्रसंगवश याद आता है कि साल भर होने वाली वर्षा का अधिकांश पानी व्यर्थ बह जाता है। उसका उपयोग खेतों, उद्योगों में पर्याप्त नहीं हो पाता। जल गंगा संवर्धन अभियान के माध्यम से बारिश के पानी का समुचित भंडारण और भूजल स्तर में वृद्धि करना प्रमुख ध्येय है। जल संरक्षण के लिये मध्यप्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में चौपाल के माध्यम से संकल्प भी दिलाया जा रहा है। इसके साथ ही प्रदेश में 1.6 लाख जलदूत तैयार किये गये हैं जो आमजन के बीच पहुँचकर जल स्त्रोतों के प्रति जागरुकता बढ़ाने का प्रयास करेंगे। इस पुनीत कार्य में मध्यप्रदेश की मोहन यादव सरकार ने स्वयंसेवी संस्थाओं की मदद भी ली है जो नदी तटों पर जल संरक्षण के उद्देश्य से वृक्षारोपण करने के लिये लोगों को जागरुक और प्रेरित कर रहे हैं। याद दिलाना जरूरी है कि जल भंडारण और संरक्षण के लिये पौधारोपण और स्वच्छता का होना अति आवश्यक है। इस तरह जल गंगा संवर्धन अभियान पानी की बचत, उसके संरक्षण और सही भंडारण के लिये एक मिशन बन गया है। इससे प्रदेश के लाखों लोग जुड़ चुके हैं। जनसहभागिता के चलते यह अभियान अपेक्षा के अनुरुप सफलता अर्जित कर रहा है।

प्राय: देखा जाता है कि वर्षा से प्राप्त पानी का अधिकांश भाग कृषि पर ही व्यय होता है। आबादी बढने के साथ अनाज की पैदावार अधिक हुयी है, इसके साथ कृषि कार्य के लिये ज्यादा पानी की मांग बढ़ गयी है। उधर उद्योग और कारखानों में भी अधिक पानी का उपयोग होता है। पीने के लिये भी स्वच्छ पानी ही चाहिये। आज देखा जा रहा है कि गहन लापरवाही के चलते जल स्त्रोतों के प्रति अनदेखी की जा रही है। हमने अपने तालाबों को पाट दिया है। दो दशक पहले तक तालाबों की जितनी संख्या थी, अब वह महज आधी रह गयी है। शहरों के तालाबों पर भूमाफियाओं की काली नजर पड़ गयी है। तालाबों के स्थान पर इमारतें खड़ी हो गयीं हैं। अब समय आ गया है जब हमें जल संरक्षण और उसके समान वितरण के लिये उपाय करना चाहिये। आवश्यकता इस बात की अधिक है कि जल संरक्षण के सारे उपायों पर ध्यान केंद्रित किया जाये। सिर्फ जागरूकता ही ऐसा उपाय है जो इसके अपेक्षानुरूप परिणाम दिला सकता है। पानी की कम खपत वाली फसलों की खेती, जल संसाधनों का बेहतर नियंत्रण एवं प्रबंधन इस दिशा में कारगार साबित होगा। यदि पानी चाहिये तो इस दिशा में तेजी से प्रयास होना चाहिये। हर समस्या के समाधान के लिये सरकार पर निर्भर रहना ठीक नहीं। इस मानसिकता को बदलना होगा। समस्या को सामूहिक प्रयासों से हल करना चाहिये। सचेत नहीं हुए तो जल की कमी आगे चलकर लाइलाज बीमारी बन जायेगी। सचेत रहकर जल स्त्रोतों को सामूहिक प्रयासों से बचाना हमारी प्राथमिकता होना चाहिये।

रायता समेटने के वक्त ट्रंप की माताजी सो गई थी....

चैतन्य भट्ट

दरअसल जब अपन ने इनके बारे में खोज बीन की तो ये तथ्य सामने आया। कौरव और पांडवों के बीच चल रहे महाभारत में एक दृष्टांत है जब अर्जुन के बेटे अभिमन्यु की मौत चक्रव्यूह में फंस कर हो गई थी तब ये राज सामने आया था कि महायोद्धा अर्जुन अपनी पत्नी सुभद्रा को चक्रव्यूह भेदन की कथा सुना रहे थे। उस वक्त अभिमन्यु मां सुभद्रा के गर्भ में थे। चक्रव्यूह प्रवेश तक की कथा सुनते सुनते अचानक सुभद्रा की नींद लग गई और अभिमन्यु चक्रव्यूह में घुसने की कला तो सीख गए लेकिन सुभद्रा के नींद लग जाने की वजह से चक्रव्यूह से बाहर निकलने की कला सीखने से वंचित रह गए।

किसी से भी पूछ लिया जाय कि सारी दुनिया पर कौन सा एक शख्स पनौती बना हुआ है तो निर्विवाद जवाब होगा, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प। खुद को पूरी दुनिया का थानेदार समझने वाले इस आदमी को पूरी दुनिया को हर रोज अलसेट का नया डोज दिए बिना नींद ही नहीं आती। दूसरे नेताओं की बेइज्जती करना, कटोरा फैलाकर शांति का नोबेल पुरस्कार मांगना, खुद को मसीहा बताना और दुनिया भर में रायता फैलाना इनकी अन्य महत्वपूर्ण हॉबी हैं। ऊल-जुलूल बातें कर कर के अपने खुद के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल को लाई अनसोशल बना कर रख दिया है। दुनिया भर में टैरिफ का आतंक फैलाने के खेल से शांति नहीं मिली तो ईरान से बेफिजूल युद्ध छेड़ दिया। कभी कहते हैं कि ईरान की न्यूक्लियर ताकत तबाह कर दी तो कभी कहते हैं ईरान की न्यूक्लियर ताकत दुनिया के लिए खतरा है। और दुनिया है कि हैरान परेशान है कि आखिर ये आदमी ऐसा क्यों है ?

दरअसल जब अपन ने इनके बारे में खोज बीन की तो ये तथ्य सामने आया। कौरव और पांडवों के बीच चल रहे महाभारत में एक दृष्टांत है जब अर्जुन के बेटे अभिमन्यु की मौत चक्रव्यूह में फंस कर हो गई थी तब ये राज सामने आया था कि महायोद्धा अर्जुन अपनी पत्नी सुभद्रा को चक्रव्यूह भेदन की कथा सुना रहे थे। उस वक्त अभिमन्यु मां सुभद्रा के गर्भ में थे। चक्रव्यूह प्रवेश तक की कथा सुनते सुनते अचानक सुभद्रा की नींद लग गई और अभिमन्यु चक्रव्यूह में घुसने की कला तो सीख गए लेकिन सुभद्रा के नींद लग जाने की वजह से चक्रव्यूह से बाहर निकलने की कला सीखने से वंचित रह गए। इसी कथा की परिकल्पना ट्रंप के संदर्भ में कीजिए। डोनाल्ड ट्रंप जब अपनी मां मैरी ऐन ट्रम्प के गर्भ में थे जब उनके पिता फ्रेडरिक ट्रम्प अपनी पत्नी को रायता फैलाने और रायता समेटने की कथा सुना रहे थे। रायता फैलाने तक की कथा सुनते सुनते उनकी पत्नी को नींद आ गई इसलिए ट्रंप बाबू गर्भ में रायता फैलाने की प्रक्रिया तो सीख गए मगर समेटने की विधि अनजानी रह गई। ईरान युद्ध के चक्रव्यूह में यही कमी गले पड़ गई है सो न निगलते बन रहा है न उगलते। और करे कोई भरे कोई की तर्ज़ पर उनकी नौटंकी का खामियाजा सारी दुनिया भुगत रही है।

यू टर्न तो आम बात: इंदौर के खराब ट्रैफिक को लेकर उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ ने एक टिप्पणी की कि आजकल यू टर्न लेने में डर लगता है कि कौन कब आकर टक्कर मार दे, हाई कोर्ट की टिप्पणी ट्रैफिक को लेकर रही होगी लेकिन आजकल राजनीति में यू टर्न लेना तो आम बात हो गई अब देखो ना राघव चड्ढा जो बीजेपी को पानी पी पीकर कोसते थे अरविंद केजरीवाल को अपना गुरु और पिता समान मानते थे उन्होंने ऐसा यू टर्न लिया की अरविंद केजरीवाल की भी आंखें फटी की फटी रह गई खुद तो यू टर्न लिया ही अपने साथ छह लोगों को और यू टर्न दिलवा दिया जिसमें एक क्रिकेट का भी खिलाड़ी है , वैसे उनको यू टर्न लेने का पुराना अनुभव है क्योंकि जब विकेट गिर जाता था तो उनको यू टर्न लेकर वापस गैलरी में जाना पड़ता था । जनता बेचारी करें तो करें क्या,? कितनी आशाओं के साथ अपना जनप्रतिनिधि चुनती है आम आदमी पार्टी के विधायकों ने भी कितनी आशाओं के साथ इन सबको राज्यसभा में भेजा था कि राज्यसभा में जाकर पार्टी के पक्ष में काम करेंगे और जनता के मुद्दों पर चर्चा करेंगे लेकिन उन्हें क्या पता था कि वे जिनको राज्यसभा में भेज रहे हैं वे कब अपनी कुर्सी से यू टर्न लेकर दूसरे दल की कुर्सी पर जा बैठेंगे। हाई कोर्ट की टिप्पणी भले ही ट्रैफिक को लेकर हो लेकिन उनकी यह टिप्पणी राजनीति पर ज्यादा माफिक बैठ रही है अपने को तो आज तक समझ में नहीं आया कि कल तक जिस पार्टी की बखिया उधेड़ते थे आज टीवी चैनल में बैठकर उसकी तारीफों के पुल अचानक कैसे बांधने लगते हैं कुछ तो अंतरात्मा भी बोलती होगी कि ये क्या कर रहे हो? लेकिन आजकल अंतरात्मा की आवाज सुनता कौन है ? मित्तल जी पर ईडी का छापा पड़ा तो वे समझ गए कि भैया अगर इससे बचना है तो कमल का साथ पकड़ लो और पकड़ भी लिया । सड़क पर यू टर्न लेने पर ज्यादा से ज्यादा भिड़ंत हो जाएगी लेकिन राजनीति के यू टर्न ने तो पूरी राजनीति के मायने ही बदल दिए ।

गोपाल जी का दर्द: कई बार के विधायक गोपाल भार्गव का दर्द बीच-बीच में इतना बढ़ जाता है कि वे कराहने लगते हैं कब से राह देख रहे हैं कि मंत्रिमंडल का विस्तार होगा और उनको फिर मंत्रिमंडल में शामिल कर लिया जाएगा लेकिन इंतजार, और इंतजार इसके अलावा उनके हिस्से में और कुछ नहीं आ रहा कभी-कभी बीच में पार्टी की लाइन से हटकर भी बयान दे देते हैं सोचते हैं शायद पार्टी उनके दर्द और आक्रोश को देखते हुए उन्हें कुछ ना कुछ दे देगी लेकिन पार्टी के पास इतने लोग हो गए हैं कि वो भी बेचारी किस-किस को एडजस्ट करे। हाल ही में गोपाल भार्गव जी ने एक बयान दे दिया कि जाति के सामने पार्टी कोई महत्व नहीं रखती इसका मतलब साफ है उन्होंने पार्टी के आला कमान को भी सीधा-सीधा संदेश दे दिया कि मेरे लिए मेरी जाति पहले है और पार्टी बाद में , जबकि आजकल तो पार्टी सबसे पहले होती है और उसके बाद दूसरी चीज, लेकिन गोपाल जी आखिर कब तक इंतजार करें इंतजार की भी कोई सीमा होती है और वो सीमा खत्म हो गई है बीच-बीच में निगम मंडलों में नियुक्तियां की चर्चा चलती है वे सोचते हैं चलो मंत्री ना सही निगम मंडल में ही कहीं कुछ जुगाड़ बन जाए लेकिन मंडल निगमों और विकास प्राधिकरणों की नियुक्ति भी बीरबल की खिचड़ी हो गई है पता नहीं कब इन में नियुक्ति होगी और भार्गव जी की किस्मत खुल जाएगी लेकिन ये कब खुलेगी ये कोई नहीं कह सकता।

राघव चढ्ढा ने खोद दिया आम आदमी पार्टी का गड्ढा

मनोज कुमार अग्रवाल

भारतीय राजनीति में दल बदल और आंतरिक बगावत कोई नई बात नहीं है लेकिन जब किसी उभरती हुई पार्टी के भीतर इस तरह का बड़ा घटनाक्रम सामने आता है तो उसके दूरगामी असर को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हाल ही मेंराघव चड्ढा के आम आदमी पार्टी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने अथवा दल-बदल/विलय के दावे से भारतीय राजनीति में कई गंभीर समस्याएं और विवाद उत्पन्न हो गए हैं। यह सबसे बड़ा कानूनी मुद्दा है कि क्या चड्ढा के साथ अन्य सांसदों का विलय संवैधानिक है। यह दलबदल विरोधी कानून की प्रासंगिकता और उसके दो-तिहाई वाले प्रावधान पर बहस छेड़ता है कि क्या सांसदों का एक बड़ा समूह रातों-रात पार्टी बदल सकता है। इस घटना के बाद आम आदमी पार्टी को बड़ा झटका लगा है, क्योंकि आरोप है कि उसके 10 में से 7 सांसद पार्टी छोड़कर जा रहे हैं, जो पार्टी के लिए एक अस्तित्व का संकट है। पार्टी के पूर्व सहयोगियों और समर्थकों की ओर से इसे वैचारिक विश्वासघात के रूप में देखा जा रहा है। आप ने आरोप लगाया है कि यह ऑपरेशन कमल के तहत भाजपा द्वारा उसके सांसद नेताओं को तोड़ने की कोशिश है। राघव चड्ढा को हाल ही में राज्यसभा में पार्टी के डिप्टी लीडर पद से हटाया गया था, जिसके बाद यह बगावत हुई। यह पार्टी के भीतर चल रहे आंतरिक मतभेदों और नेतृत्व की पकड़ को उजागर करता है।इस प्रकार के बड़े पैमाने पर दल-बदल से अस्थिरता का युग वापस आने की चिंता बढ़ गई है, जिससे लोकतंत्र के भविष्य पर सवाल उठते हैं। आपको पता है कि राघव चड्ढा और उनके साथ कई राज्यसभा सांसदों का आम आदमी पार्टी से अलग होकर भारतीय जनता पार्टी में जाने का फैसला एक बड़े राजनीतिक बदलाव का संकेत देता है। यह केवल व्यक्तियों का दल बदल नहीं बल्कि एक संगठन की आंतरिक स्थिति और उसकी कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। आम आदमी पार्टी ने अपने गठन के समय खुद को एक वैकल्पिक राजनीति के रूप में प्रस्तुत किया था। ईमानदारी पारदर्शिता और जनहित के मुद्दों को केंद्र में रखकर इस पार्टी ने तेजी से लोकप्रियता हासिल की। दिल्ली में लगातार जीत और पंजाब में सरकार बनाना इस बात का प्रमाण था कि जनता ने इस पार्टी को स्वीकार किया है। लेकिन अब जिस तरह से पार्टी के भीतर असंतोष और टूट सामने आ रही है वह यह संकेत देता है कि अंदरूनी ढांचे में कहीं न कहीं कमजोरी मौजूद है। राघव चड्ढा का पार्टी से अलग होना अचानक नहीं हुआ। पिछले कुछ वर्षों से उनके और पार्टी नेतृत्व के बीच दूरी की खबरें सामने आती रही थीं। महत्वपूर्ण बैठकों में अनुपस्थिति सोशल मीडिया पर अलग पहचान बनाने की कोशिश और संगठनात्मक गतिविधियों से दूरी यह सभी संकेत पहले से मौजूद थे। जब उन्हें राज्यसभा में उपनेता पद से हटाया गया तो यह स्पष्ट हो गया कि संबंध सामान्य नहीं रहे हैं। इसके बाद उनका इस्तीफा और फिर भाजपा में शामिल होना एक तय दिशा की ओर बढ़?ता कदम प्रतीत होता है। इस पूरे घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है दो तिहाई सांसदों का गणित। भारतीय संविधान के तहत दल बदल कानून यह कहता है कि यदि किसी पार्टी के दो तिहाई सांसद एक साथ दूसरी पार्टी में शामिल होते हैं तो उनकी सदस्यता सुरक्षित रहती है। यही कारण है कि राघव चड्ढा ने अपने साथ पर्याप्त संख्या में सांसदों को जोड़ने का प्रयास किया। यह केवल राजनीतिक निर्णय नहीं बल्कि एक रणनीतिक कदम भी था जिससे उनकी संसदीय स्थिति बनी रहे। यहां सवाल उठता है कि क्या यह केवल व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा का मामला है या फिर पार्टी की कार्यप्रणाली में वास्तविक समस्याएं हैं।

खास बात

भाजपा सरकार में प्रदर्शन विपक्षी दलों जैसे

हमेशा सरकार के खिलाफ प्रदर्शन होते हैं भाजपा लंबे समय तक सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करती रही है जिसके कारण सत्ता में रहते हुए भी उसकी प्रदर्शन करने की आदत गई नहीं है पूरे देश में भाजपा प्रदर्शन कर रही है कांग्रेस को प्रदर्शन करना आता नहीं है भाजपा प्रदर्शन करने की आदत छोड़ नहीं पा रही है। सत्ता पक्ष प्रदर्शन के मामले में विपक्ष को भी पीछे छोड़ रहा है। इसे कहते हैं, आदत छोड़ना आसान नहीं है।

पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी का भगवान मालिक ?

पश्चिम बंगाल के चुनाव में प्रथम चरण के जो रुझान सामने आए हैं। उसमें 92 फ़ीसदी मतदान हुआ है। गोदी मीडिया के एंकरों एवं एंकर्नियों के चेहरे खिले हुए हैं। महिला आरक्षण को लेकर जो सुपारी गोदी मीडिया ने ली थी। वह सफल होती दिख रही है। प्रधान मंत्री, गृहमंत्री, आधा दर्जन से अधिक मुख्यमंत्री डेढ़ लाख से अधिक केंद्रीय सुरक्षाकर्मी और चुनाव आयोग मिलकर भाजपा को चुनाव जिताने में लगे हैं। अन्य राज्यों से मतदाता भी रेलगाड़ी में भर भर कर भेजे जा रहे हैं। रही सही कसर न्याय पालिका भी पर्दे के पीछे से पूरी कर रही है। ऐसी स्थिति में ममता बनर्जी का भगवान ही मालिक है। जिस तरह रावण ने सभी ग्रहों को कैद करके रखा था। वही स्थिति अब प्रधानमंत्री मोदी के राज में है।

विपक्ष के भाग्य में तारीख पर तारीख ?

जो कुछ मिलता है भाग्य से मिलता है। मोदी जी का पिछले जन्मों का इतना पुण्य है। 24 साल से ज्यादा सत्ता में हैं। उनका कोई भी बाल बांका नहीं कर पा रहा है। राष्ट्र के नाम संदेश देने पर मोदी जी के खिलाफ विशेषाधिकार प्रस्ताव लाया गया है। सुप्रीम कोर्ट में आचार संहिता के उल्लंघन करने कि याचिका दायर की गई है। मोदी जी और भाजपा निश्चिंत हैं न्याय पालिका से विपक्ष को तारीख पर तारीख मिलेगी? विशेष अधिकार प्रस्ताव में कुछ होगा, इसकी संभावना ना के बराबर है। जब चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग खारिज कर दिया गया, ऐसे में विशेषाधिकार प्रस्ताव और विपक्ष की क्या हैसियत है। मोदी जी पर कोई कार्रवाई होगी, इसके बारे में सोचा भी नहीं जा सकता है। यह 1975 नही 2026 है।

समय की तरह भाजपा भी बलवान ?

कहा जाता है, सृष्टि में समय से ज्यादा बलवान कोई नहीं है। अवतारी पुरुषों को भी समय की मार पड़ती है। यह समय भाजपा के पक्ष का है। भाजपा ने धारा 370, अनुच्छेद 35, नोटबंदी, जीएसटी, महिला आरक्षण, जम्मू कश्मीर राज्य का विभाजन, एनआरसी, एसआईआर, कई राज्यों के चुनाव नॉरेटिव बनाकर चुनाव आयोग के बल पर जीत लिए। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस को हटाकर अपनी पसंद का चुनाव आयुक्त चुन लेना कोई आसान काम नहीं था। पूर्ण बहुमत नहीं होने पर भी मोदी जी ठीकरा विपक्ष पर पहले फोड़ते हैं।

राशिफल

शुभ संवत 2083, शाके 1948, सौम्य गोष्ठ, वैशाख शुक्ल पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय, पश्चिमे तिथि, त्रियोदशी, बुधवार, हस्त नक्षत्रे, हल योगे, कौलव करणे, कन्या की चंद्रमा, आन्द्र योगे, प्रदोष व्रत, तथापि दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ उत्तम फलदायी होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल........

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमानी, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, उत्तम वृत्ति वाला, योगी-भोगी, धनीमानी, स्वाभिमानी, कुशल वक्ता-अधिवक्ता होगा।

मेष राशि- व्यापार में प्रगति, यात्रा सुख, खर्च अधिक होगा, व्यर्थ का विरोध होता रहेगा।

वृष राशि- कलह, अभीष्ट सिद्धी, धन लाभ, चिन्ता, शारीरिक सुख, कार्य अवश्य ही बनेंगे।

मिथुन राशि- भय, व्यापार लाभ, सामाजिक कार्यों में व्यवधान, धन की परेशानी अवश्य बनेगी।

कर्क राशि- विद्या बाधा, व्यापार मध्यम, चिन्ता, धार्मिक कार्य, शुभ कार्य में विरोध होगा।

सिंह राशि- स्त्री-संतान सुख, यात्रा बाधा, विवाद, आर्थिक कार्य, शुभ कार्य में विरोध होगा।

कन्या राशि- भूमि-लाभ, प्रवास, कष्ट, व्यय भार बढ़ेगा, शुभ समाचार तथा प्रसन्नता का योग है।

तुला राशि- कारोबार मध्यम, सफलता, स्त्री कष्ट, धन का व्यर्थ व्यय होगा, खर्च से परेशानी।

वृश्चिक राशि- थोड़ा लाभ, खेती चिंता, उलझन, शिक्षा की स्थिति सामान्य लाभदायक बनी रहेगी।

धनु राशि- घरु सुख, हानि, उन्नत खेती योग मध्यम, कुछ अच्छे कार्य बनेंगे, कार्य का ध्यान रखें।

मकर राशि- हर्ष, भूमि लाभ, यश, कारोबार बढ़ेगा, कारोबार में लाभ, व्यय बढ़चढ़ कर अवश्य होगा।

कुंभ राशि- भय, हानि, स्त्री सुख, कार्य सिद्धी, जमीन-जायजाद के कार्यों में सफलता मिलेगी।

मीन राशि- विद्या बाधा, विवाद, चोरों से भय, पारिवारिक लोगों से लाभ, सफलता मिलेगी।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

29 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	मेष में	वृष	06.26 बजे से
चंद्र	कन्या में	मिथुन	08.24 बजे से
मंगल	मीन में	कर्क	10.37 बजे से
बुध	मीन में	सिंह	12.54 बजे से
गुरु	मिथुन में	कन्या	15.05 बजे से
शुक्र	वृष में	तुला	17.16 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	19.31 ब.से
राहु	कुंभ में	धनु	21.47 बजे से
केतु	सिंह में	मकर	23.52 बजे से
राहुकाल	12.00 से 1.30 बजे तक	कुंभ	01.38 बजे से
		मीन	03.11 बजे से
		मेष	04.42 बजे से

बुधवार 2026 वर्ष का 119 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083
शक संवत् 1948
मास वैशाख **पक्ष** शुक्ल
तिथि त्रयोदशी 19.52 बजे को समाप्त।
नक्षत्र हस्त 00.17 बजे रात्र को समाप्त।
योग हर्षण 20.52 बजे को समाप्त।
करण कौलव 07.19 बजे तदनन्तर तैतिल 19.52 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 11.5 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 14° 24'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872694
जूलियन दिन 2461159.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्काद
तारीख 11

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

गर्मियों में खादी और कॉटन में इस प्रकार दिखेंगी स्टायलिश

गर्मियों का मौसम आ गया है। तेज गर्मी से सभी परेशान रहते है और ऐसे में । इस मौसम में सबसे आरामदायक कपड़े खादी और कॉटन के होते है। जो कि आपके शरीर को ठंडा रखते है। आज का दौर फैशन का है। जिसके कारण आपको इनमें भी कई तरह की ड्रेसेस मिल जाएगी जिसमें आज सहज अनुभव करेंगी।

रोजाना कोई न कोई नया फैशन आता है। जिसके कारण सभी फैशन के साथ चलना चाहते है फिर चाहें कोई भी मौसम हो। गर्मियों के मौसम में खादी के कपड़े आपके लिए उपयुक्त साबित हो सकते हैं। खादी के कपड़े से बने स्पेगेटी टॉप, डेनिम से लेकर शॉर्ट ड्रेस तक इस मौसम में न केवल आपके लिए आरामदेह साबित होंगे बल्कि आपको नया और स्मार्ट लुक भी देंगे।

खादी की हाथ से बनी साड़ी सबसे बेहतर होती है और ये विभिन्न रंगों और स्टाइल में मिलती हैं। खादी साड़ी को पहनने से कोई समस्या नहीं होती है क्योंकि ये गर्मी में आरामदेह होती है। मॉडर्न लुक के लिए जरदोजी की कढ़ाई और ब्लॉक प्रिंट वाली खादी की साड़ी चुनें। आप रंगीन प्लेन खादी साड़ी को कढ़ाईदार शर्ट ब्लाउज के साथ भी पहन सकती हैं, जो आपको एकदम नया लुक देगा।

अलग अंदाज और स्टाइल में नजर आने के लिए आप खादी की स्पेगेटी, टॉप को स्कर्ट या ढीले ढाले पैंट के साथ पहन सकती हैं। आप खादी के क्रॉप टॉप को हल्के घेरदार (रैप-अराउंड) स्कर्ट के साथ पहनकर बेहद आकर्षक नजर आ सकती हैं।

अगर आप और सहज महसूस करना चाहती हैं तो खादी के कुर्ते या शॉर्ट ड्रेस पहन सकती हैं। आप गले पर बढ़िया कढ़ाई वाली कुर्ती के साथ कुछ आभूषण भी पहन सकती हैं, जिसमें आप बेहद खूबसूरत दिखेंगी। गहरे रंग के खादी के स्कॉर्फ या दुपट्टे को आप प्लेन ड्रेस के साथ पहन सकती हैं। दुपट्टे को हल्के रंग की कुर्ती के ऊपर पहनें, जिससे आप निश्चित रूप से भीड़ से अलग नजर आएंगी। आप खादी के शॉर्ट पैंट या श्रग भी पहन सकती हैं। शॉर्ट के ऊपर खादी का श्रग पहनें, जो आपको स्मार्ट लुक देगा।

स्टाइल और सहजता के हिसाब से खादी का डेनिम बेहतर होता है। डेनिम खादी पैंट को ऑफ शोल्डर या कोल्ड शोल्डर टॉप के साथ पहनें।

खूबसूरती बढ़ाने करी पत्ते का सेवन करें

अगर आप अपनी खूबसूरती बढ़ना चाहती है तो खाने में करी पत्ते को सेवन करें। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन और आयरन त्वचा और बालों को हेल्दी बनाने में मदद करते हैं। चेहरे पर अगर पिंपल्स हैं, दाग-धब्बे, टैनिंग या डार्क स्पॉट्स हैं तो करी पत्ते का फेस मास्क लगाएं। इसके एंटीसेप्टिक और एंटीबैक्टीरियल गुण चेहरे को बेदाग और चमकदार बनाते हैं। फेस मास्क बनाने के लिए करी पत्ते के 10 से 15 ताजे पत्ते दें। इन्हें अच्छे से धोकर पीस लें। अब इसमें 1 चम्मच दही और चुटकी भी हल्दी मिलायें। इस पेस्ट को चेहरे पर 15 से 20 मिनट के लिए लगा लें। ऐसा हफ्ते में 2 बार करें, चेहरा चमकने लगेगा।

अगर आपको नरम स्किन चाहिए तो करी पत्ते से फेस सीरम बनाएं। इसके लिए 15 ताजे करी पत्ते लें। इसे गुलाब जल मिलाकर पीस लें। इसके बाद इसे छानकर रस अलग कर लें। अब इसमें एलोवेरा जेल मिलाएं। अगर ऑयली स्किन है तो कुछ बूंद नींबू का रस डालें और अगर ड्राई स्किन है तो 1 विटामिन ई की कैप्सूल मिक्स करें। इस मिश्रण को एयरटाइट बोतल में भरकर फ्रिज में रख दें। रात को सोने से पहले इसकी कुछ बूंदें लेकर चेहरे पर लगाएं।

आजकल बढ़ता स्ट्रेस और गंदा पानी बालों की सेहत को बिगाड़ रहा है। इस कारण से बाल बहुत झड़ने लगे हैं। इस समस्या से बचने के लिए करी पत्ते का तेल बनाएं। इसके लिए एक बर्तन में आधा कटोरी नारियल का तेल लें।इसमें 20 ताजे करी पत्ते डालें और इसे गर्म करें। जब यह तेल गहरा हरा-काला होने लगे तो गैस बंद कर दें। ठंडा होने पर इसे बोतल में छान लें और बालों पर लगाएं। हेयर फॉल की समस्या दूर होने लगेगी।

करी पत्ते से बालों को पोषण मिलता है और इससे बाल जल्दी बढ़ते हैं, साथ में चमकदार भी होते हैं। इसके लिए घर पर हेयर मास्क बनाएं। 15-20 करी पत्ते लें। इसमें 2 चम्मच दही या नारियल का तेल मिक्स करें। साथ 1 चम्मच मेथी दाना डालें। मेथी दाने को एक रात भिगोकर रखना जरूरी है। अब इस मिश्रण को पीसकर पेस्ट बना लें और स्कैल्प से लेकर बालों तक पर लगाएं। आधे घंटे बाद बालों को हल्के शैंपू से धो लें। ऐसा हफ्ते में 2 बार करें। बाल शाइन करने लगेंगे।

अगर स्कैल्प ड्राई है और बालों में डैंड्रफ भी है तो करी पत्ते की मदद से इस समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है। इसके लिए 20 से 23 करी पत्ते लें और इनका पेस्ट बना लें। अब इसमें दही मिक्स करके सिर में लगा लें। आधे घंटे बाद हेयर वॉश कर लें1 ऐसा करने से जल्दी फर्क दिखेगा।

गर्भवती महिलाएं तनाव से बचें

अगर आप गर्भवती हैं तो किसी प्रकार का तनाव न लें। एक अध्ययन रिपोर्ट में दावा किया गया है कि गर्भावस्था के दौरान ज्यादा तनाव में रहने वाली महिलाओं में गर्भपात का खतरा बढ़ जाता है। अध्ययनकर्ताओं का दावा है कि गर्भावस्था के दौरान तनाव लेने वाली महिलाओं में गर्भपात का खतरा 42 फीसदी बढ़ जाता है। इससे पहले हुए अध्ययन की रिपोर्ट में यह पाया गया था कि 24 सप्ताह की गर्भवती में होने वाले गर्भपात में 20 फीसदी मामले तनाव के कारण होते हैं।

दोबारा अध्ययन के बाद यह पाया गया कि आंकड़ें इससे कहीं ज्यादा हैं क्योंकि गर्भपात के कई मामले दर्ज ही नहीं होते।

यही नहीं अध्ययन की रिपोर्ट में इस बात का भी खुलासा किया गया कि युवा होते ही तनाव और अवसाद का सामना करने वाले लोगों को आगे के जीवन में बहुत सी बीमारियों का सामना करना पड़ता है!

गर्भावस्थ में काम का ज्यादा तनाव न लें

गर्भावस्था के दौरान काम का बहुत ज्यादा तनाव न लें। अपनी प्राथमिकताएं थोड़ी कम करें और दोस्तों या रिश्तेदारों से मदद लेने में संकोच न करें।

घर का काम कम करें और उस समय का इस्तेमाल आप किताब पढ़ने और आराम करने में कर सकती हैं।

अगर कामकाजी हैं तो ऑफिस में सिक लीव या अपनी छुट्टियों का भरपूर लाभ लें।

लंबी सांस लें और छोड़ें, योग करें या स्ट्रेचिंग करें।

अगर स्वीामिंग आती है तो स्वीमिंग करें या वॉक करें।

हेल्दी खाएं. संतुलित आहार आपके शरीर और मानसिक सेहत दोनों को ठीक रखेगा।

रात में जल्दी सो जाएं क्योंकि इससे आपके गर्भ में पल रहे बच्चों को विकास के लिए ज्यादा समय मिलेगा।

दूसरों की सुनें पर दिल से न लगाएं। गर्भावस्था के दौरान लोग खूब कहानियां सुनाते हैं, उन्हें सुनें जरूर, पर ज्यादा ध्यान न दें। कुछ लोगों को गर्भावस्था में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है, लेकिन ऐसा आपके साथ भी हो, कोई जरूरी तो नहीं।

अगर आपको लगता है कि आप तनाव में हैं और आपका तनाव कम नहीं हो पा रहा है तो अपने डॉक्टर से बात करें।

गर्मियों में त्वचा को इस प्रकार निखारें

गर्मियों में सनबर्न और पसीने के कारण महिलाओं को त्वचा का ख्याल रखना होता है। सूरज की तेज़ किरणों, धूल और पसीने के कारण त्वचा की सुंदरता प्रभावित हो सकती है । ऐसे में आप कुछ प्राकृतिक उपया अपना सकती हैं। इस मौसम में पपीते का रस आपकी त्वचा को निखारता है इसके साथ ही इसके कई और लाभ भी हैं। पपीता में एंजाइम (पैपैन), विटामिन सी और एंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं, जो त्वचा की गहराई से सफाई करते हैं और उसे निखारते हैं। ऐसे में जो गर्मियों में आपकी त्वचा को दमकाने के साथ ही ये आपकों तरोताजा भी रखता है।

पपीता और दही का फेस पैक

फायदे: दही में लैक्टिक एसिड होता है, जो त्वचा की चमक को बढ़ाता है और उसमें निखार लाता है। पपीता त्वचा को मुलायम और निखरा बनाता है। यह फेस पैक त्वचा के दाग-धब्बों को हल्का करने में भी मदद करता है।

गर्मी में त्वचा को ग्लोइंग बनाए रखने के लिए पपीता एक बहुत ही असरदार और प्राकृतिक उपाय है। पपीते के साथ शहद और दही जैसे घटक इसे और भी प्रभावी बनाते हैं। इन आसान और प्रभावी फेस पैक्स को अपनी रूटीन में शामिल करके आप अपनी त्वचा को निखार सकते हैं और उसे गर्मी के मौसम में भी ताजगी से भरपूर रख सकते हैं।

सफेद बालों से बचने इस प्रकार के तरीके अपनाये

अजकल युवतियां कम उम्र में ही बालों के सफेद होने से परेशान हैं। सफेद बालों की समस्या आजकल की एक आम परेशानी बन गई है। यह केवल आपके लुक को प्रभावित नहीं करते, बल्कि आपकी आत्म-विश्वास को भी कम कर सकते हैं। सफेद बालों का आना, समय से पहले बूढ़ा दिखने का एहसास कराता है और यह आपके चेहरे की खूबसूरती को भी कम कर सकता है। यदि आप इस समस्या से निजात पाना चाहती हैं, तो यहां कुछ महत्वपूर्ण टिप्स दिए गए हैं, जिन्हें अपनाकर आप अपने बालों की देखभाल कर सकती हैं। मसाज बालों की नियमित मसाज से न केवल रक्त संचार बढ़ता है, बल्कि यह बालों को पोषण भी देती है। हफ्ते में दो बार नारियल तेल, बादाम तेल या ऑलिव ऑयल से बालों की मसाज करें। यह सफेद बालों की समस्या को कम करने में मदद करती है और बालों को स्वस्थ बनाती है।आपका शैम्पू और कंडीशनर भी सफेद बालों के लिए जिम्मेदार हो सकते हैं। इसलिए, ऐसे प्रोडक्ट का चुनाव करें जो आपके बालों के प्रकार के लिए उपयुक्त हो। किसी अच्छे हेयर एक्सपर्ट से सलाह लेकर सही प्रोडक्ट का चुनाव करें। प्राकृतिक शैम्पू और हर्बल प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करें।

बालों को गुनगुना पानी से धोएं

गर्म या अत्यधिक ठंडे पानी से बालों को धोने से बाल कमजोर हो सकते हैं। गुनगुने पानी से बालों को धोना उनकी चमक और स्वास्थ्य बनाए रखने में मदद करता है। यह बालों की त्वचा के लिए भी फायदेमंद होता है।

बाहर जाते समय स्कार्फ लगायें

सूरज की किरणें, धूल और प्रदूषण बालों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। बाहर जाते समय स्कार्फ, टोपी या बालों को कवर करने वाले अन्य साधनों का उपयोग करें। यह आपके बालों को धूप और प्रदूषण से बचाएगा।

तेल लगाये

तेल लगाने से बालों को आवश्यक पोषण मिलता है। हफ्ते में कम से कम दो बार तेल लगाएं और इसे कुछ समय तक रहने दें। बाद में अच्छे से धो लें। यह बालों को मजबूत बनाने और उनकी वृद्धि को बढ़ाने में मदद करता है।

आप हफ्ते में 2 बार प्राकृतिक सामग्री जैसे अंडा, दही, आंवला या मेहंदी से बने हेयर पैक का उपयोग कर सकती हैं। ये न केवल बालों को पोषण देते हैं, बल्कि सफेद बालों की समस्या को भी कम करते हैं।

स्वस्थ आहार लें

आपका आहार भी बालों की सेहत पर असर डालता है। अपने भोजन में हरी सब्जियां, फल, नट्स और दालें शामिल करें। विटामिन B_{12}, आयरन, और जिंक जैसे पोषक तत्वों की कमी से भी बाल सफेद हो सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

वैभव को लेकर मनु बोली, सही मार्गदर्शन मिला तो वह बड़े सितारे बनेंगे

नई दिल्ली। 15 साल की उम्र में आईपीएल में धूम मचा रहे क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी के बारे में जब ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर से पूछा गया तो मनु ने वैभव की सराहना करते हुए कहा कि अगर मेंटरशिप अच्छी है और आसपास का माहौल अच्छा है तो उम्र से फर्क नहीं पड़ता उम्र तो केवल एक नंबर है। प्रतिभा की कोई उम्र नहीं होती। बड़ी उपलब्धियां 60 साल में भी होती हैं और 6 साल में भी। उन्होंने साथ ही कहा कि अगर वैभव को सही मार्गदर्शन मिलता है, तो वह निश्चित रूप से बड़े सितारे बनेंगे। वहीं मनु जैसी शीर्ष स्तर की खिलाड़ी से इस प्रकार के सवाल पर कई लोगों ने आपत्ति जतायी है। उनका कहना है कि मनु ने भारत के लिए ओलंपिक मंच पर महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं और देश का नाम रोशन किया है। उनकी इस पहचान और उपलब्धियों को देखते हुए, उनसे किसी क्रिकेटर पर सवाल किया जाना सही नहीं हैं। ओलंपिक पदक से बढ़कर कुछ नहीं है। उसके सामने आईपीएल कहीं नहीं लगात। इस प्रकार के सवाल कर क्रिकेट को अन्य खेलों से श्रेष्ठ साबित करने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स के पूर्व टीम डायरेक्टर जॉय भट्टाचार्य ने सोशल मीडिया पर लिखा, दोस्तों, वह ओलंपिक पदक विजेता हैं।

सीएसके खलील की जगह वर्तक को कर सकती है शामिल

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) चोटिल खिलाड़ी खलील अहमद की जगह उभरते हुए बल्लेबाज आयुष वर्तक को शामिल कर सकती है। सीएसके ने इसी को देखते हुए वर्तक को ट्रायल के लिए बुलाया है। गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर मिली करारी हार के बाद से ही टीम अपनी बल्लेबाली को बेहतर करने लिए इस युवा को अवसर देना चाहती है। वर्तक ने पिछले साल अंडर-23 स्टेट ए ट्रॉफी 2025 में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था पर इसके बाद भी उसपर किसी ने बोली नहीं लगायी थी। वहीं अब उसे सीएसके से अवसर मिल रहा है। पूर्व भारतीय ऑफ स्पिनर आर अश्विन ने सीएसके की इस नीति को सराहा है। अश्विन ने सोशल मीडिया में लिखा। सीएसके ने भविष्य के लिए एक मजबूत कोर बनाने में बहुत मेहनत की है। ऐसे बेहतर क्रिकेटर को टीम में लाने का प्रयास अच्छा कदम है।

मुंबई इंडियंस का रिकार्ड नहीं तोड़ पायी आरसीबी

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच को 6.3 ओवर ही जीत लिया। आरबीसी ने 75 रनों का लक्ष्य 81 गेंदें शेष रहते हासिल कर लिया पर वह मुंबई इंडियंस का रिकार्ड नहीं तोड़ पायी। मुंबई इंडियंस पहली टीम है जिसने सबसे ज्यादा गेंद शेष रहते हुए मैच जीता था। साल 2008 में मुंबई ने अपने घरेलू मैदान में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ 68 रनों का लक्ष्य जब हासिल किया तब 87 गेंद बची हुई थी। उसी के बाद से ही यह रिकॉर्ड बना हुआ है।

आईपीएल में आज होगा मुम्बई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद में मुकाबला

मुंबई ■ एजेंसी

आईपीएल में बुधवार को मुम्बई इंडियंस की टीम अपने घरेलू मैदान पर सनराइजर्स हैदराबाद को हराने के इरादे से उतरेगी। मुम्बई इंडियंस का प्रदर्शन इस सत्र में बेहद खराब रहा है और वह केवल 4 अंक लेकर 9 वें स्थान पर है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज अब तक प्रभाव प्रदर्शन नहीं कर पाये है। कई स्टार खिलाड़ियों के होने के बाद भी टीम में निरंतरता की कमी देखी गयी है। ऐसे में उसे जीत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ पिछले मैच में मिली 103 रन से मिली हार से उसका नेट रन रेट भी खराब हो गया है।

टीम के चार प्रमुख खिलाड़ी कप्तान हार्दिक पंड्या और सूर्यकुमार यादव का प्रदर्शन अब तक अच्छा नहीं रहा है। तिलक वर्मा के गुजरात टाइटन्स के खिलाफ शतक लगाकर टीम को चार मैचों के बाद जीत दिलायी थी पर सीएसके से हार के कारण वह फिर पीछे खिसक गयी है। गेंदबाजी की बात करें तो उसके मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अब तक विफल रहे हैं।

वह अभी तक केवल दो विकेट ही ले पाए हैं। इसके अलावा ट्रेंट बोल्ट भी अब तक विफल रहे हैं। वह एक विकेट ही ले पाये हैं। दीपक चाहर के नाम भी एक विकेट ही है। ऐसे में उसके लिए सनराइजर्स के आक्रामक बल्लेबाजों को रोकना आसान नहीं होगा।

रोहित शर्मा के चोटिल होने से भी टीम को झटका लगा है। उनकी जगह शामिल दानिश मालेवार असफल रहे है। वहीं चोटिल मिचेल सैंटनर की जगह केशव महाराज को टीम में शामिल किया गया है, अब देखना है कि विल जैक्स को अंतिम एकादश में जगह मिलती है या नहीं।

वहीं दूसरी और सनराइजर्स की टीम ने अब तक अच्छा प्रदर्शन करते हुए 10 अंक लेकर तीसरा स्थान हासिल किया है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज अच्छे फार्म में हैं जिससे वह जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। सनराइजर्स के पास ईशान किशन के अलावा अभिषेक शर्मा, हेनरिक क्लासेन और ट्रेविस हैड जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं। उसके बाद वानखेड़े स्टेडियम के हालातों का लाभ उठाकर बड़ा स्कोर बनाना चाहेंगे। सनराइजर्स ने पिछले मैच में बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान रॉयल्स को हराया था। वहीं कप्तान पैट कमिंस की वापसी से सनराइजर्स का गेंदबाजी आक्रमण मजबूत हुआ है।

आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनो टीमों के बीच अब तक 25 मुकाबले हुए हैं। इसमें से 15 मुम्बई ने जबकि 10 सनराइजर्स ने जीते हैं। कुल मिलाकर देखा जाये तो इस मैच में रोमांचक मुकाबला होना तय है।

दोनों ही टीमें इस प्रकार हैं

टीम इस प्रकार है- मुंबई इंडियंस : हार्दिक पंड्या (कप्तान), क्विंटन डीकॉक (विकेटकीपर), रयान रिकेल्टन (विकेटकीपर), रॉबिन मिंज (विकेटकीपर), दानिश मालेवार, शेरफेन रदरफोर्ड, रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, राज बावा, कॉर्बिन बॉश, विल जैक, मयंक रावत, नमन धीर, शार्दुल ठाकुर, अश्विनी कुमार, जसप्रीत बुमराह, ट्रेंट बोल्ट, दीपक चाहर, कृष भगत, एएम गजनफर, केशव महाराज, मयंक मारकंडे, मोहम्मद इज़हार, रघु शर्मा.

सनराइजर्स हैदराबाद : पैट कमिंस (कप्तान), सलिल अरोड़ा (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), हेनरिक क्लासेन (विकेटकीपर), ट्रैविस हेड, रविचंद्रन अश्विन, अनिकेत वर्मा, अभिषेक शर्मा, हर्ष दुबे, क्रेन्स फुलेट्रा, लियाम लिविंगस्टोन, कामिंडु मेंडिस, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षल पटेल, शिवम मावी, शिवांग कुमार, अमित कुमार, गेराल्ड कोएत्ज़ी, प्रफुल्ल हिंगे, साकिब हुसैन, दिलशान मदुशंका, ईशान मलिंगा, ओंकार तरनाले, जयदेव उनादकट, जीशान अंसारी।

युवा न्यूरोडाइवर्स एथलीट्स ने ऐतिहासिक 60 किमी पाल्क स्ट्रेट तैराकी के बाद माननीय उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन से की मुलाकात

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्तर पर एक महत्वपूर्ण मान्यता के क्षण में, स्पेशल ओलंपिक्स भारत की अध्यक्ष डॉ. मल्लिका नड्डा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने, इंडिया ऑटिज़्म सेंटर (आईएसी) के साथ मिलकर, याधवी स्पोर्ट्स अकादमी के चार युवा न्यूरोडाइवर्जेंट तैराकों, और भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन के बीच एक प्रत्यक्ष मुलाकात का आयोजन किया। इस संवाद ने उनकी असाधारण उपलब्धि को राष्ट्रीय स्तर पर प्रमुखता दिलाई, जहाँ एथलीट्स, मेका श्री अश्वथ (11 वर्ष), गुंटूरु लव (9 वर्ष), गुंटूरु कुश (9 वर्ष), और एन. थानवेश (10 वर्ष) को 18 घंटों के भीतर पाल्क स्ट्रेट में 60 किमी की ओपन वॉटर रिले तैराकी पूर्ण करने के लिए सम्मानित किया गया। अपने माता-पिता और कोच श्री सतीश शिवकुमार, संस्थापक एवं मुख्य कोच, याधवी स्पोर्ट्स अकादमी के साथ, टीम ने अपनी यात्रा, तैयारी और दृढ़ता के बारे में जानकारी साझा की। माननीय उपराष्ट्रपति ने उनके संकल्प की सराहना की और न्यूरोडाइवर्स व्यक्तियों के लिए समावेशी अवसरों को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर दिया। इस बैठक में आईएसी का प्रतिनिधित्व श्री जयशंकर नटराजन, मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक, तथा सुश्री सखी सिंघी, गवर्निंग बोर्ड सदस्य, प्रमुख - संचार, साझेदारी, फंडरेज़िंग एवं प्रतिभा अधिग्रहण ने किया, जो इस उपलब्धि के पीछे सामूहिक समर्थन को दर्शाता है।

हैदराबाद में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेगी टीम अवागार्ड

अवागार्ड बनी चैंपियन, अनूपपुर की एमपीईबी उपविजेता

इंदौर ■ निसं

यशवंत क्लब में आयोजित मध्य प्रदेश राज्य ब्रिज चैंपियनशिप का समापन इंदौर की टीम अवागार्ड की धमाकेदार जीत के साथ हुआ। चैंपियनशिप में टीम स्पर्धा का खिताब इंदौर की इसी टीम ने अपने नाम कर प्रदेश भर में अपना लोहा मनवाया। अनिल विजयवर्गीय की कप्तानी में अवागार्ड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए न केवल ट्रॉफी जीती, बल्कि अगस्त महीने में हैदराबाद में होने वाली राष्ट्रीय ब्रिज चैंपियनशिप के लिए मध्य प्रदेश की आधिकारिक टीम के रूप में अपना स्थान सुनिश्चित कर लिया है। टीम की इस ऐतिहासिक जीत में कप्तान अनिल विजयवर्गीय के साथ जिनेश अग्रवाल, विनोद ननेरिया, पंकज अग्रवाल, प्रकाश अचार और प्रशांत सिन्हा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्रतियोगिता में आर.के. नागपाल के नेतृत्व में अनूपपुर की टीम एमपीईबी उपविजेता रही। पूरे टूर्नामेंट के दौरान एमपीईबी टीम ने अपनी रणनीतिक सूझबूझ से कड़ा मुकाबला पेश किया। उपविजेता टीम में कप्तान आर.के. नागपाल के साथ दिनेश पटेल, एस.एन. श्रीवास्तव, विनोद सोनी और रवि सिंह जैसे खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल भावना का परिचय दिया।

24 से 26 अप्रैल तक चले इस तीन दिवसीय आयोजन में 36 से 85 वर्ष तक की आयु के खिलाड़ियों का जोश देखते ही बनता था। चैंपियनशिप में देवास, बैतूल, सुहागपुर, छिंदवाड़ा, भोपाल, जबलपुर और ग्वालियर सहित प्रदेश के प्रमुख शहरों से आए खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। ओपन श्रेणी में महिला खिलाड़ियों की उपस्थिति ने खेल के स्तर को और ऊंचा उठाया।

टीम स्पर्धा के अलावा पेयर इवेंट में भी कड़ा मुकाबला देखने को मिला, जिसमें छिंदवाड़ा के सूर्यकांत राठी और चैनराज नाहर की जोड़ी विजेता रही। इंदौर के अनिल विजयवर्गीय और जिनेश अग्रवाल उपविजेता रहे, जबकि इंदौर के ही प्रो. अशोक जोगलेकर और सुधीर जैन की जोड़ी तीसरे स्थान पर रही।

चत्रभुज नरसी स्कूल में निशानेबाजी स्पर्धा सम्पन्न

दीपेंद्र और तनिष्क वर्मा ने साधा सटीक निशाना, बने चैंपियन

इंदौर ■ निसं

चत्रभुज नरसी स्कूल (सीएनएस) में निशानेबाजी का कौशल और उत्सव का उल्लास एक साथ देखने को मिला। यहाँ आयोजित दो दिवसीय पिस्टल शूटिंग प्रतियोगिता में पिता-पुत्र की जोड़ी दीपेंद्र और तनिष्क वर्मा ने अपनी एकाग्रता और अचूक निशाने से चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम कर लिया। ओलंपिक कोच रौनक पंडित के मार्गदर्शन में हुए इस आयोजन ने न केवल शहर के युवा निशानेबाजों को एक नई दिशा दी, बल्कि स्कूल परिसर में आयोजित फिएस्टा ने इसे परिवारों के लिए यादगार बना दिया।

कड़े मुकाबले के बाद दीपेंद्र वर्मा और तनिष्क वर्मा ने अपने सटीक निशाने और धैर्य का परिचय देते हुए बाजी मारी, जबकि आदित्यवर्धन सिंह और भूमिका सोलंकी प्रतियोगिता के रनर-अप रहे। इस वर्कशॉप में लगभग 89 प्रतिभागियों ने हिस्सा लेकर पेशेवर शूटिंग की बारीकियां सीखीं।

एकेडमी के मेंटर और कॉमनवेल्थ गोल्ड मेडलिस्ट रौनक पंडित ने कहा कि यह केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि बच्चों में फोकस, सब्र और आत्मविश्वास जगाने की कोशिश थी। उन्होंने कहा कि स्कूल की वर्ल्ड-क्लास 10-मीटर शूटिंग रेंज इंदौर में भविष्य के ओलंपिक चैंपियन तैयार करने की पूरी क्षमता रखती है।

सीएनएस के चेयरपर्सन सुजय जयराज ने कहा कि स्कूल का विजन शिक्षा को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रखकर उसे अनुशासन, आत्मविश्वास और चरित्र निर्माण से जोड़ना है। इस अवसर पर प्रिंसिपल डॉ. जेरिन जैकब ने भी आयोजन की सफलता और छात्रों के अनुशासित प्रदर्शन की सराहना की।

फिएस्टा ने बनाया उत्सवी माहौल: शूटिंग प्रतियोगिता के साथ-साथ स्कूल परिसर में आयोजित फिएस्टा ने उत्सव का माहौल बना दिया। इसमें करीब 266 लोगों ने शिरकत की। फिएस्टा में क्रिएटिव आर्ट स्पेसेस, डीआईवाई स्टॉल्स और बच्चों के लिए आकर्षण का केंद्र बाउंसी कैसल मौजूद रहे। आयोजन का मुख्य आकर्षण नव-उद्घाटित प्ले एरिया रहा, जहाँ दिन भर बच्चे अपने अभिभावकों के साथ खेलते नजर आए।

15 अरब डॉलर का गूगल एआई डेटा सेंटर

विशाखापत्तनम को ग्लोबल एआई हब बनाएगा भारत

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था ने एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक छलांग लगाई है। केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम (तारलुवाड़ा) में 15 अरब डॉलर के आगामी 'गूगल क्लाउड इंडिया एआई डेटा सेंटर' की आधारशिला रखी है। यह महात्वाकांक्षी परियोजना वैश्विक टेक दिग्गज गूगल, अदाणी ग्रुप और भारती एयरटेल की रणनीतिक साझेदारी में विकसित की जा रही है। इस निवेश से विशाखापत्तनम भारत का नया एआई आधारित डिजिटल गेटवे बनने जा रहा है।

परियोजना का विशाल स्तर और रणनीतिक क्षमता: इस एआई डेटा सेंटर का पैमाना भारत के मौजूदा डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को पूरी तरह से बदलने की क्षमता रखता है। इस प्रोजेक्ट से जुड़े प्रमुख आंकड़े और साझेदारियां इस प्रकार हैं।

गीगावाट-स्केल एआई इकोसिस्टम: अदाणी ग्रुप के निदेशक जीत अदाणी ने बताया कि वर्तमान में पूरे भारत की कुल डेटा सेंटर क्षमता लगभग 1.3 गीगावाट है। इसके मुकाबले, अकेले विशाखापत्तनम के इस एक ही लोकेशन पर 1 गीगावाट क्षमता वाला बुनियादी ढांचा विकसित करने की योजना है।

दिग्गजों का गठजोड़: इसे 'अदाणीकनेक्स' और भारती एयरटेल की डेटा सेंटर इकाई 'नेक्सट्रा' के साथ मिलकर तैयार किया जा रहा है।

हरित ऊर्जा पर जोर: एयरटेल के पास पहले से ही देश भर में 120 से अधिक डेटा सेंटर्स का नेटवर्क मौजूद है और विशाखापत्तनम का यह नया प्रोजेक्ट पूरी तरह से नवीकरणीय (ऊर्जा से संचालित होगा। जीत अदाणी ने स्पष्ट किया कि एआई के संचालन की लागत सीधे तौर पर ऊर्जा की लागत से जुड़ी है, इसलिए किफायती ऊर्जा इस तकनीक को व्यापक रूप से अपनाने में मदद करेगी।

वैश्विक कनेक्टिविटी और हार्डवेयर निर्माण: शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसे भारत के डिजिटल ढांचे को मजबूत करने वाला कदम बताया और विशाखापत्तनम के एक 'एआई सिटी' में तब्दील होने का विश्वास जताया।

सबमरीन केबल नेटवर्क: इस डेटा सेंटर के साथ विशाखापत्तनम से बिछाई जा रही अत्याधुनिक समुद्री केबल और मजबूत फाइबर नेटवर्क के कारण 'लेटेंसी' (डेटा ट्रांसफर में लगने वाला समय) कम होगी। इससे भारत का संपर्क यूरोप, पश्चिम एशिया, अफ्रीका और अमेरिका के साथ और अधिक मजबूत हो जाएगा।

घरेलू विनिर्माण का आह्वान: भारत अब अपनी घरेलू इलेक्ट्रॉनिक मांग का लगभग 50 प्रतिशत खुद पूरा कर रहा है और मोबाइल फोन के निर्यात में बड़ी छलांग लगा चुका है। इसे देखते हुए मंत्री वैष्णव ने गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई और अन्य तकनीकी कंपनियों से भारत में ही सर्वर, ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट और एआई चिप्स का निर्माण करने का आग्रह किया है।

अर्थव्यवस्था और सेक्टोरल प्रभाव इस निवेश का सीधा असर अर्थव्यवस्था के कई प्रमुख क्षेत्रों पर पड़ने वाला है। भारती एंटरप्राइजेज के वाइस चेयरमैन राकेश भारती मित्तल ने रेखांकित किया कि विशाखापत्तनम, जो ऐतिहासिक रूप से एक समुद्री प्रवेश द्वार रहा है, अब डिजिटल इंडिया के लिए 'इंटेलीजेंस एज' का गेटवे बनेगा। इस एआई डेटा सेंटर के जरिए देश की शिक्षा, स्वास्थ्य, वैमानिकी, लॉजिस्टिक और कृषि जैसे क्षेत्रों में क्रांतिकारी बदलाव आएंगे।

एयरटेल के कार्यकारी उपाध्यक्ष गोपाल विट्ठल के अनुसार, ग्रीन पावर और अल्ट्रा-लो लेटेंसी फाइबर नेटवर्क जैसी उनकी एकीकृत क्षमताएं इस विशाल एआई बुनियादी ढांचे को सक्षम बनाएंगी।

पीएनबी ने 200 से अधिक स्थानों पर मेगा एमएसएमई आउटरीच कार्यक्रम की मेजबानी की

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत के सार्वजनिक क्षेत्र के अग्रणी बैंकों में से एक पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) ने देशभर में 200 से अधिक स्थानों पर मेगा एमएसएमई आउटरीच कार्यक्रम की मेजबानी की। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को सुलभ, अनुकूलित और प्रतिस्पर्धी दरों पर वित्तीय समाधान प्रदान कर उन्हें सशक्त बनाना है, जो उद्यमिता और आर्थिक विकास के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता को और अधिक मजबूत करता है।

सार्थक जुड़ाव को बढ़ावा देने और एमएसएमई को उनके विकास के लिए सही वित्तपोषण विकल्पों को खोजने में सक्षम बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया यह कार्यक्रम, व्यवसाय करने वालों, उद्योग प्रतिभागियों और बैंकिंग विशेषज्ञों को एक साझा मंच पर साथ लाया। 'जहाँ अवसरों की शुरुआत होती है और व्यवसाय फलते-फूलते हैं' की थीम पर आधारित यह आउटरीच कार्यक्रम ऋण तक पहुँच को सरल बनाने और विशेष रूप से तैयार किए गए वित्तीय समाधान प्रदान करने पर केंद्रित रहा, जो एमएसएमई को अपने संचालन के विस्तार और उत्पादकता में सुधार करने में मदद करते हैं।

विशेषज्ञों तक सीधी पहुँच: तत्काल मार्गदर्शन और अनुकूलित वित्तीय समाधानों के लिए पीएनबी के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सीधे संवाद।

ऋण की तुरंत स्वीकृति: चयनित एमएसएमई ऋण योजनाओं को तुरंत स्वीकृति मिली।

डिजिटल एक्सपीरियंस ज़ोन: डिजिटल बैंकिंग सेवाओं का अनुभव, अपनी पात्रता की जाँच और तुरंत ऑफर।

अनुकूलित पेशकश: विभिन्न व्यावसायिक आवश्यकताओं के अनुसार तैयार किए गए एमएसएमई-केंद्रित ऋण उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला। कार्यक्रम के बारे में बोलते हुए, फिरोज हसनैन, सीजीएम, पीएनबी ने कहा: 'एमएसएमई नवाचार, रोजगार और समावेशी विकास के शक्तिशाली इंजन हैं। इस मेगा आउटरीच कार्यक्रम के माध्यम से, हम उद्यमियों को, यहाँ तक कि जमीनी स्तर पर भी, समय पर ऋण, निर्बाध डिजिटल पहुँच और विशेष वित्तीय समाधान उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा ध्यान बैंकिंग को सरल बनाने, निर्णय लेने की प्रक्रिया में तेजी लाने और व्यवसायों को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए सशक्त बनाने पर है, जिससे देश के जीडीपी में सार्थक योगदान दिया जा सके।'

स्नैबिट को सीरीज-डी में मिले 5.6 करोड़ डॉलर

नई दिल्ली। घरेलू सेवाएं प्रदान करने वाले मंच स्नैबिट ने मंगलवार को सीरीज-डी वित्त पोषण दौर में 5.6 करोड़ अमेरिकी डॉलर (करीब 530 करोड़ रुपये) जुटाए हैं। इस नए निवेश से कंपनी अपने बही-खाते को मजबूत करने, छोटे बाजारों में विस्तार करने और जल्द ही नई सेवा श्रेणियों में प्रवेश करने की योजना बना रही है। कंपनी ने एक बयान में बताया कि इस वित्त पोषण दौर का सह-नेतृत्व सस्क्वेहाना वेंचर कैपिटल, मिराए एसेट वेंचर इन्वेस्टमेंट्स के यूनिकॉर्न ग्रोथ फंड और बर्टेल्समैन इंडिया इन्वेस्टमेंट्स ने किया। मौजूदा निवेशकों नेक्सस वेंचर पार्टनर और लाइटस्पीड ने भी इस महत्वपूर्ण दौर में भाग लिया। इस ताजा निवेश के साथ स्नैबिट ने अब तक कुल 11.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर की पूंजी जुटाई है। गौरतलब है कि सीरीज-डी वित्त पोषण किसी भी स्टार्टअप या कंपनी के लिए पूंजी जुटाने का एक उन्नत एवं परिपक्व चरण माना जाता है, जो उसकी स्थिरता और विकास क्षमता को दर्शाता है।

धूत ट्रांसमिशन ने मल्टीलिंक का अधिग्रहण कर ईवी सेगमेंट में पैठ बढ़ाई

मुंबई। बेन कैपिटल समर्थित धूत ट्रांसमिशन ने इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) क्षेत्र में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए बेंगलुरु स्थित मल्टीलिंक का अधिग्रहण किया है। कंपनी ने मंगलवार को घोषणा की कि यह कदम दोपहिया व तिपहिया वाहनों में बढ़ते विद्युतीकरण के रुझान का लाभ उठाने की रणनीति के अनुरूप है। मल्टीलिंक दोपहिया एवं तिपहिया मूल उपकरण विनिर्माताओं (ओईएम) के लिए विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद बनाती है। धूत ट्रांसमिशन के प्रबंध निदेशक ने इस अधिग्रहण को एक रणनीतिक कदम बताया, जिससे मल्टीलिंक के उत्पाद खंड और ग्राहकों के साथ उसके लंबे समय से संबंध धूत के लिए फायदेमंद होंगे। यह अधिग्रहण धूत को तेजी से बढ़ते दोपहिया व तिपहिया क्षेत्रों में अपनी स्थिति मजबूत करने में मदद करेगा, जहां विद्युतीकरण और इलेक्ट्रॉनिक सामग्री की बढ़ती मांग संरचनात्मक वृद्धि को बढ़ावा दे रही है। हालांकि, सौदे के आकार का खुलासा नहीं किया गया है।

डिजिटल डॉलर से ग्लोबल बैंकिंग में भूचाल, बैंकों की कमाई पर खतरा!

रेमिटेंस और विदेशी मुद्रा बाजारों पर भी असर, आम आदमी के लिए सस्ता होगा लेनदेन

नई दिल्ली ■ एजेंसी

अमेरिका अपने डॉलर को डिजिटल अवतार में पेश करने की तैयारी में है, जिसका वैश्विक वित्तीय प्रणाली पर गहरा असर पड़ने वाला है। इस स्टेबलकॉइन के आने से दुनिया भर के केंद्रीय और व्यावसायिक बैंकों में चिंता बढ़ गई है, क्योंकि इससे उनकी कमाई का एक बड़ा जरिया प्रभावित होगा। गोल्डमैन सैश ने इस कदम को एक आर्थिक तूफान करार दिया है, जो बैंकिंग, विदेशी मुद्रा बाजार और भारत जैसे बड़े रेमिटेंस बाजारों के लिए गंभीर चुनौतियां पैदा करेगा। बैंकों की आय का एक अहम हिस्सा विदेशी फंड ट्रांसफर और करेंसी कन्वर्जन पर लगने वाले शुल्क से आता है, लेकिन डिजिटल डॉलर के प्रचलन से ये शुल्क लगभग नगण्य हो जाएंगे। यह डिजिटल मुद्रा 24 घंटे उपलब्ध होगी, जिससे आम आदमी के लिए अंतरराष्ट्रीय लेनदेन सस्ता और सुलभ हो जाएगा। अमेरिकी प्रशासन 2027 से जीनियस एक्ट को लागू करने की तैयारी में है। इसके तहत फेडरल डिपॉजिट इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ने यूएस डिजिटल एसेट रेगुलेशन और स्टेबलकॉइन के लिए नए नियमों को मंजूरी दे दी है, जो इस वित्तीय बदलाव का मार्ग प्रशस्त करेंगे। यह कदम निश्चित रूप से वैश्विक बैंकिंग और वित्तीय लेनदेन के भविष्य को नया आकार देगा।

वित्त वर्ष 27 की कमाई पर मंडराया संकट, तेल की कीमतें बनी चिंता

नई दिल्ली। भारतीय कंपनी जगत के लिए आने वाले वित्त वर्ष 2026-27 की कमाई में वृद्धि के अनुमानों में विश्लेषकों ने कटौती करनी शुरू कर दी है। इसके पीछे मुख्य कारण पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक संघर्ष और कच्चे तेल की लगातार 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी हुई कीमतें हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इन कारकों का पूरा असर अभी सामने नहीं आया है, और यह अगली कुछ तिमाहियों में कंपनियों के वित्तीय प्रदर्शन पर नकारात्मक प्रभाव डालेगा। विश्लेषकों ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारतीय कंपनियों की कमाई में वृद्धि के अनुमानों में कमी की है। निप्पॉन इंडिया ऐसेट मैनेजमेंट के एंड्रयू हॉलैंड को खाड़ी युद्ध से पहले 10-12 फीसदी वृद्धि की उम्मीद थी, जो अब युद्ध के लंबा खिंचने पर 6-10 फीसदी तक घट सकती है।

दुनिया के सबसे पसंदीदा फूड ब्रांड की कहानी

ऐक्सपीरियंस के लिए दावत फैक्ट्री का अनावरण किया

एलटी फूड्स ने किडज़ानिया में बच्चों के लिए एक इमर्सिव, कहानी पर आधारित लर्निंग

नई दिल्ली ■ एजेंसी

कंज्यूमर फूड स्पेस की अग्रणी बिलियन-डॉलर ग्लोबल एफएमसीजी कंपनी एलटी फूड्स लिमिटेड ने अपने फ्लैगशिप ब्रांड दावत 0 के लिए एक इमर्सिव फैक्ट्री लॉन्च करने के लिए देश के सबसे बड़े इनडोर ऐजुटेनमेंट थीम पार्क किडज़ानिया इंडिया के साथ पार्टनरशिप की है। दावत 0 फैक्ट्री अपनी तरह का पहला ऐक्सपीरिएंशियल सेंटर है जिसे इसलिए डिजाइन किया गया है कि बच्चों को खेत से खाने तक बासमती चावल के सफर के बारे में ऐजुकेट और ऐंगेज किया जा सके। यह नया ऐस्टैब्लिशमेंट 4 से 14 साल के बच्चों को आमंत्रित करता है, जहां वे प्रोडक्शन इंजीनियर की यूनिफॉर्म पहन कर, टीमें बनाकर उस प्रोसेस और टेक्नोलॉजी को खुद अनुभव करते हैं जिनके द्वारा दुनिया का सबसे पसंदीदा फूड ब्रांड दावत 0 बनाया जाता है। 25 मिनट से ज्यादा समय तक, बच्चे पूरी प्रोसेसिंग लाइन को देखते हैं, क्वालिटी पर फैसले लेते हैं, मशीनरी चलाते हैं, और फैक्ट्री से निकलने वाले बेहतरीन बासमती के हर पैकेट के पीछे की ज़िम्मेदारी को समझते हैं। अपनी शिफ्ट पूरी करने पर बच्चे दावत 0 बासमती का 200 ग्राम का पैक और एक 'डिजिटल सर्टिफिकेट ऑफ अचीवमेंट' घर ले जाते हैं, जो एक सर्टिफाइड प्रोडक्शन इंजीनियर के तौर पर सीखे गए उनके काम की पहचान है, जिसे वे अपने पास सहेज सकते हैं। दावत 0 फैक्ट्री को किडज़ानिया सिटी में एक खास चीज़ बनाने वाली बात यह है कि यह लगभग हर भारतीय रसोई में मिलने वाले उत्पाद और उसकी रचना में उपयोग होने वाले विज्ञान, सटीकता और देखभाल के बीच एक निर्बाध सम्पर्क है, जो अक्सर उपभोक्ताओं की नज़रों से छुपा रहता है। इस अवसर पर एलटी फूड्स के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ श्री अश्विनी अरोड़ा ने कहा, "एलटी फूड्स में, हम उपभोक्ताओं और उनके खाने के बीच गहरा रिश्ता बनाने में विश्वास करते हैं। दावत 0 फैक्ट्री लॉन्च करने के लिए किडज़ानिया इंडिया के साथ हमारा सहयोग बच्चों के लिए अर्थपूर्ण अनुभव रचने की दिशा में एक अहम कदम है।

चलती बस में अचानक लगी आग, दो यात्रियों की मौत, कई झुलसे

बवानीखेड़ा। हरियाणा के बवानीखेड़ा क्षेत्र में सवारियों से भरी एक प्राइवेट बस में अचानक आग लग गई जिसमें दो यात्रियों की मौत हो गई और कई यात्री झुलस गए। बस बवानीखेड़ा से हांसी जा रही थी और गांव मिल्कपुर के पास हादसे का शिकार हो गई। बताया जा रहा है कि बस में करीब 20 यात्री सवार थे। अचानक लगी आग ने कुछ ही मिनटों में पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे बस जलकर पूरी राख हो गई। मीडिया रिपोर्ट में शुरुआती जानकारी के मुताबिक इस हादसे में दो लोगों की मौत की सूचना है, जबकि आधा दर्जन के करीब लोग घायल हुए हैं। घायलों को तुरंत अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। जानकारी के मुताबिक दो घायलों का इलाज हांसी के नागरिक अस्पताल में चल रहा है। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

कांग्रेस और आम आदमी पार्टी का पूरी तरह से सफाया

फिर लहराया भगवा, सभी 15 नगर निगम सीटों पर बीजेपी का कब्जा

अहमदाबाद ■ निसं

गुजरात निकाय चुनाव 2026 में भारतीय जनता पार्टी ने फिर अपना दबदबा साबित किया है। गुजराज राज्य की सभी 15 नगर निगम सीटों के नतीजे सामने आ चुके हैं और बीजेपी ने सभी नगर निगमों में जीत दर्ज क्लीन स्वीप किया है। अहमदाबाद नगर निगम में पार्टी ने 192 में से 158 सीटों पर कब्जा जमाकर शहरी राजनीति में अपनी मजबूत पकड़ दिखाई है। इस जीत के साथ बीजेपी ने साफ संकेत दे दिया है कि गुजरात में उसकी संगठनात्मक ताकत अब भी बेहद मजबूत है।

राजकोट में भी बीजेपी का प्रदर्शन बेहद शानदार रहा, जहां नगर निगम की 72 सीटों में से बीजेपी ने 65 सीटें जीत लीं, जबकि कांग्रेस को सिर्फ 7 सीटे ही जीत सकी। आप यहां खाता तक नहीं खोल सकी। वहीं, राजकोट जिला पंचायत की 36 सीटों में बीजेपी ने 34 सीटें जीतकर विपक्ष को पूरी तरह से साफ कर दिया।

तालुका पंचायतों में भी बीजेपी का दबदबा दिखाई दिया। धोराजी, जेतपुर, गोंडल, कोटड़ा सांगाणी, लोढिका, पडधरी, जसदण, विंछिया और जामकंडोरना सहित ज्यादातर पंचायतों में बीजेपी ने बड़ी जीत दर्ज की। उपलेटा में मुकाबला बेहद कांटे का रहा और नतीजा टाई पर खत्म हुआ। कुल मिलाकर बीजेपी ने 11 में से 10 तालुका पंचायतों में जीत हासिल की। सबसे बड़ी जीत गोंडल सिविक बॉडी में देखने को मिली, जहां बीजेपी ने सभी 44 सीटों पर कब्जा किया। कांग्रेस और आप यहां एक भी सीट नहीं जीत सकीं। पूरे राजकोट जिले में बीजेपी ने 202 में से 155 सीटें जीतकर अपनी मजबूत पकड़ और संगठनात्मक क्षमता का प्रदर्शन किया।

वहीं बीजेपी ने अहमदाबाद नगर निगम में शानदार जीत हासिल की है। पार्टी ने 192 में से 158 सीटें जीतकर गुजरात के सबसे बड़े शहर में अपना वर्चास्व कायम रखा। इस जीत का पैमाना शहरी स्तर पर सत्ताधारी पार्टी के पक्ष में मिले निर्णायक जनादेश को दिखाता है। इस नतीजे के साथ, बीजेपी ने अब राज्य के सभी 15 नगर निगमों में क्लीन स्वीप कर लिया है, जिससे पूरे गुजरात में स्थानीय निकायों में उसकी लगातार चुनावी ताकत साबित होती है।

नई दिल्ली में बीजेपी में शामिल हुई आप सांसद स्वाति मालीवाल

नई दिल्ली। नई दिल्ली में मंगलवार को एक राजनीतिक घटनाक्रम देखने को मिला। जहां आम आदमी पार्टी (आप) की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) में शामिल हो गई हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, दिल्ली में भाजपा नेताओं की मौजूदगी में उन्हें औपचारिक रूप से पार्टी की सदस्यता दिलाई गई। इस मौके पर दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा भी मौजूद रहे। बताया गया कि स्वाति मालीवाल ने सदस्यता ग्रहण करने के बाद कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कार्यों से प्रभावित होकर भाजपा में शामिल हुई हैं। अपने बयान में उन्होंने यह दावा किया कि जब वे दिल्ली महिला आयोग में कार्यरत थीं, तब उन्होंने निष्पक्ष तरीके से काम किया और उस दौरान उन्हें विभिन्न स्तरों पर सहयोग भी मिला। उन्होंने भाजपा नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त कर कहा कि यह उनके लिए भावनात्मक और महत्वपूर्ण दिन है।

हरियाणा के युवक की टेक्सास में आग में जिंदा जलने से मौत

करनाल। हरियाणा के एक युवक की टेक्सास शहर में फूड स्टोर में लगी आग में जिंदा जलकर मौत हो गई। हादसे में पंजाब के मोहाली निवासी स्टोर मालिक विक्रांत की भी मौत हुई। जब आग लगी, तब युवक और स्टोर मालिक दोनों अंदर सो रहे थे। पुलिस के अनुसार, आग इतनी तेजी से फैली कि दोनों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। जब तक आग पर काबू पाया गया, तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी और पूरा स्टोर भी जलकर खाक हो गया। मृतक की पहचान करनाल के गंगाटेहड़ी गांव निवासी सुखविंद्र सिंह (22) के रूप में हुई है। वह परिवार का इकलौता बेटा था। परिजनों ने करीब 50 लाख रुपए खर्च कर युवक को डंकी रूट के जरिए अमेरिका भेजा था।

भुज में ओवैसी की पार्टी ने जीती 3 सीटें

अहमदाबाद। भुज नगरपालिका में सांसाद असदुद्दीन ओवैसी की अगुवाई वाली ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) का खाता खुला है। भुज नगर पालिका में एआईएमआईएम के उम्मीदवारों को तीन सीटों पर जीत मिली है। इन चुनावों में सबसे ज्यादा 9237 प्रत्याशी बीजेपी के चुनाव निशान पर मैदान में हैं। कांग्रेस ने 8443 उम्मीदवार उतारे हैं। आम आदमी पार्टी के सिंबल पर भी 5261

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा

आप के 7 सांसदों का एनडीए में स्वागत, टुकड़े-टुकड़े इंडिया ब्लॉक को अलविदा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

आम आदमी पार्टी के सात राज्यसभा सांसदों के आप छोड़ने और बीजेपी में शामिल होने को लेकर विपक्षी दल कदम की आलोचना कर रहे हैं। वहीं बीजेपी और उसके सहयोगी दल उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे। इस कड़ी में केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बीजेपी में आने वाले सांसदों का स्वागत किया है।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने आप से बीजेपी में शामिल हुए 7 राज्यसभा सदस्यों का स्वागत किया। रिजिजू ने कहा कि उन सांसदों ने सदन ने न कभी अपशब्दों का प्रयोग किया न अनुशासनहीनता की। यह घटना तब हुई, जब राज्यसभा ने सोमवार को पार्टी पदों की एक नई सूची जारी की, क्योंकि आप के सात सदस्यों ने पार्टी से अलग होकर भाजपा में शामिल की घोषणा की थी। इस बदलाव से सदन में बीजेपी का प्रतिनिधित्व 107 से बढ़कर 113 हो गया, जबकि आप का प्रतिनिधित्व घटकर तीन बचा। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने पोस्ट कर लिखा कि राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने 7 आप सांसदों के बीजेपी में आना स्वीकार किया है। अब, राघव चड्ढा, संदीप पाठक, अशोक मित्तल, हरभजन सिंह, स्वाति मालीवाल, राजिंदर गुप्ता और विक्रमजीत सिंह साहनी भाजपा संसदीय दल के सदस्य हैं। संसद में इन सभी सांसदों के आचरण की प्रशंसा कर केंद्रीय मंत्री ने कहा, मैंने लंबे समय से देखा है कि इन 7 सांसदों ने कभी अपशब्दों का प्रयोग नहीं किया है और न ही कभी किसी प्रकार की अनुशासनहीनता या असंसदीय आचरण का प्रदर्शन किया है। एनडीए में आपका स्वागत है और टुकड़े-टुकड़े

क्या कहता है दल बदल कानून

संविधान की दसवीं अनुसूची के अनुसार, इस 1985 में 52वें संशोधन द्वारा जोड़ा गया था, सदस्य दल-बदल नहीं कर सकते, हालांकि, विलय के लिए अपवाद है। यदि किसी पार्टी के दो-तिहाई निर्वाचित सदस्य किसी अन्य पार्टी में विलय करने के लिए सहमत होते हैं, तब वे अयोग्य नहीं ठहराए जाते, न ही वे सदस्य अयोग्य ठहराए जाते हैं जो मूल पार्टी में बने रहने का विकल्प चुनते हैं।

भारत की आधी आबादी को सम्मान दे रही भाजपा: नीतिन नबिन

वाराणसी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतिन नबिन ने मंगलवार को वाराणसी में नारी वंदन सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की आधी आबादी को वह सम्मान दिया है, जो पूर्ववर्ती सरकारें नहीं दे सकीं। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण को केंद्र में रखकर सरकार ने कई ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री की विभिन्न महिला कल्याणकारी योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के माध्यम से करोड़ों महिलाओं को धुएं से मुक्ति मिली है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत महिलाओं को घर का मालिकाना हक दिया गया, जिससे उनका सामाजिक सम्मान बढ़ा है। इसके अलावा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जैसी योजनाओं ने बेटियों के भविष्य को सुरक्षित करने में अहम भूमिका निभाई है। अपने संबोधन में नीतिन नबिन ने काशी की विशेषता का उल्लेख करते हुए कहा कि यह केवल एक शहर या भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि एक जीवंत चेतना है। जिस प्रकार मां गंगा भारतीय संस्कृति को सिंचित करती हैं, उसी प्रकार देश की महिलाएं परिवार और समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

टीएमसी के गढ़ में आयोग ने उन्हें दी तैनाती

कौन हैं आईपीएस अधिकारी शर्मा, आखिर क्यों बंगाल चुनाव में आ गए चर्चा में

कोलकाता ■ एजेंसी

पश्चिम बंगाल में चुनावी माहौल के बीच उत्तर प्रदेश कैडर के 2011 बैच के आईपीएस अधिकारी अजय पाल शर्मा चर्चा में आ गए है। चुनाव आयोग द्वारा उन्हें दक्षिण 24 परगना जिले में पर्यवेक्षक के रूप में तैनात करने के बाद राजनीतिक हलकों में हलचल तेज है। उनकी तैनाती को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप भी देखने को मिल रहे हैं।

दरअसल आईपीएस अधिकारी शर्मा अपनी सख्त पुलिसिंग, तेज कार्रवाई और 'एनकाउंटर स्पेशलिस्ट' की छवि के लिए मशहूर हैं। उन्हें उनके समर्थक और मीडिया में अक्सर 'सिंघम' जैसे उपनामों से पुकारा जाता है। मूल रूप से पंजाब के लुधियाना से आने वाले शर्मा ने चिकित्सा के क्षेत्र में डेंटिस्ट के रूप में करियर की शुरुआत की थी, लेकिन बाद में उन्होंने यूपीएससी परीक्षा पास कर भारतीय पुलिस सेवा में प्रवेश किया।

अपने पुलिस करियर के दौरान उन्होंने उत्तर प्रदेश के कई जिलों जैसे नोएडा, शामली, रामपुर और जौनपुर में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई हैं। वर्तमान में वे प्रयागराज में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त के पद पर कार्यरत हैं। उनके कार्यकाल के दौरान कई अपराध विरोधी अभियानों और मुठभेड़ों में उनकी भूमिका को लेकर चर्चा होती रही है। उनके समर्थकों का मानना है कि उन्होंने कानून-व्यवस्था सुधारने में कड़े और प्रभावी कदम उठाए हैं। हालांकि, उनका करियर

विवादों से भी जुड़ा रहा है। कुछ मामलों में उन पर कथित फर्जी मुठभेड़ों और प्रशासनिक अनियमितताओं के आरोप लगे हैं। विपक्षी दलों, विशेषकर समाजवादी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस ने उनकी कार्यशैली पर कई बार सवाल उठाए हैं। इन आरोपों को लेकर अलग-अलग स्तर पर राजनीतिक बहस भी हुई है।

बंगाल में उनकी तैनाती खास तौर पर इसलिए संवेदनशील मानी जा रही है क्योंकि दक्षिण 24 परगना क्षेत्र को राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण और प्रभावशाली इलाका माना जाता है। यह क्षेत्र सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के लिए मजबूत आधार रहा है, जहां ममता और अभिषेक बनर्जी का प्रभाव माना जाता है। तैनाती के बाद अजय शर्मा ने क्षेत्र का दौरा कर सुरक्षा और चुनावी तैयारियों का जायजा लिया और कानून-व्यवस्था को लेकर सख्त रुख अपनाने के संकेत दिए। इसी बीच उनका एक वीडियो भी वायरल हुआ, जिसमें वे कथित तौर पर सख्त चेतावनी देते नजर आए, जिसके बाद राजनीतिक बयानबाजी और तेज हो गई।

होर्मुज खोलने की मिन्नतें कर रहा ईरान', ट्रंप का दावा

121 देशों के समर्थन से ईरान को मिला उपाध्यक्ष पद

न्यूयॉर्क ■ एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र संघ के नेतृत्व में परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) की एक महीने तक चलने वाली अहम बैठक शुरू हो गई है। लेकिन इस बैठक की शुरुआत में ही अमेरिका को एक बड़ा कूटनीतिक झटका लगा है। बैठक में 34 देशों के प्रतिनिधियों को उपाध्यक्ष चुना गया है, जिसमें ईरान ने भी अपनी जगह पक्की कर ली है। अमेरिका के भारी विरोध और एड़ी-चोटी का जोर लगाने के बावजूद ईरान को एनपीटी के भीतर उपाध्यक्ष का पद मिल गया है। आपको बता दें कि एनपीटी में एक अध्यक्ष और 34 उपाध्यक्ष हर 5 साल पर चुने जाते हैं और इस बार अध्यक्ष की कुर्सी चीन व रूस के करीबी माने जाने वाले वियतनाम को मिली है।

121 देशों के समर्थन से ईरान ने मारी बाजी: समाचार एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका ने ईरान को इस पद से दूर रखने के लिए आखिरी वक्त तक अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी, लेकिन 121 देशों के भारी समर्थन के कारण ईरान ने यह कुर्सी हासिल कर ली। इस जीत के बाद ईरान का स्पष्ट

कहना है कि उसके नेता ने हमेशा से परमाणु हथियारों का विरोध किया है और अमेरिका जानबूझकर पूरी दुनिया में उनके खिलाफ सिर्फ झूठ फैलाने का काम कर रहा है।

अमेरिका ने बताया 'अपमान', कहा- खत्म हो जाएगी विश्वसनीयता: परमाणु अप्रसार संधि के अध्यक्ष हेंग वियत के अनुसार, गुट निरपेक्ष देशों ने मजबूती से ईरान का समर्थन किया। हालांकि यूएई और अमेरिका जैसे देशों ने इसका कड़ा विरोध किया, लेकिन उनकी एक न चली। ईरान की इस जीत पर अमेरिकी शस्त्र नियंत्रण और अप्रसार ब्यूरो के सहायक सचिव क्रिस्टोफर येव ने भड़कते हुए इसे एनपीटी के लिए एक बड़ा अपमान करार दिया है। येव ने कहा कि ईरान ने लंबे समय से परमाणु अप्रसार नीति की प्रतिबद्धताओं के प्रति अपनी अवमानना दिखाई है, ऐसे में उसे इस पद के लिए चुना जाना बेहद शर्मनाक और एनपीटी की विश्वसनीयता को खत्म करने वाला फैसला है।

ईरान का करारा पलटवार- अमेरिका ने ही किया है परमाणु बम का इस्तेमाल: अमेरिका की इस तिलमिलाहट पर अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी में ईरान के दूत रजा नजाफी ने भी करारा पलटवार किया है। नजाफी ने सीधे तौर पर अमेरिका की नीयत पर सवाल उठाते हुए कहा कि अमेरिका दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है, जिसने हकीकत में परमाणु हथियारों का इस्तेमाल किया है। ऐसे में उसे इस मुद्दे पर बोलने का कोई नैतिक हक नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका खुद दुनिया को उपदेश देते हुए अपने परमाणु शस्त्रागार का लगातार विस्तार करने में लगा हुआ है।

कंगाली के बीच पाक में महासंकट, सिर्फ 5 दिन का कच्चा तेल बचा

इस्लामाबाद। वैश्विक मंचों पर खुद को बड़े 'मध्यस्थ' के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहे पाकिस्तान के सामने अब एक ऐसा खौफनाक घरेलू संकट खड़ा हो गया है, जिसने पूरे देश की नींद उड़ा दी है। पाकिस्तान के ऊर्जा और वित्त मंत्रालय की ओर से एक ऐसा डराने वाला कुबूलनामा सामने आया है, जिससे देश में भारी खलबली मच गई है। शहबाज शरीफ सरकार ने आधिकारिक तौर पर यह मान लिया है कि देश के पास अब कच्चे तेल का रिजर्व (भंडार) केवल 5 से 7 दिनों का ही बचा है। वहीं, हालात इतने बदतर हैं कि डीजल और एलपीजी जैसे अन्य ईंधनों का स्टॉक भी महज कुछ ही हफ्तों में पूरी तरह खत्म हो जाएगा।

होर्मुज स्ट्रेट बंद होने से घुटने पर आया पाकिस्तान: पाकिस्तान में अचानक उपजे इस भयानक ऊर्जा संकट के सीधे तार मध्य पूर्व में चल रहे भू-राजनीतिक तनावों और युद्ध से जुड़े हैं। ईरान और अमेरिका के बीच लगातार बढ़ते तनाव के कारण ईरान ने दुनिया के सबसे अहम समुद्री रास्तों में से एक 'होर्मुज स्ट्रेट' को व्यापारिक जहाजों के लिए लगभग पूरी तरह से बंद कर दिया है।

कार्यालय पुलिस अधीक्षक, पुलिस प्रशिक्षण शाला,पचमढ़ी

फैक्स/दूरभाष क्रमांक-07578-252052
E-mail : spts_pachmari@mppolice.gov.in

(निविदा)

क्रमांक-पु0अ0/पु0प्र0शा0/पच0/क्या0मा0/ 44 / 2026, दिनांक- 24/04/2026

क्रमांक	कार्य का विवरण	निविदा जमा करने की प्रारंभ तिथि	निविदा जमा करने की अंतिम तिथि
01	पुलिस प्रशिक्षण शाला पमचढ़ी मे वित्तीय वर्ष 2026-27 प्रशासकीय भवनों एवं आवासीय भवनों में जीर्णोद्धार/मरम्मत करने हेतु	25/04/2026	30/04/2026

नियम व शर्तें

01- पुलिस प्रशिक्षण शाला पमचढ़ी मे स्थित प्रशिासकीय भवनों एवं आवासीय भवनों के जीर्णोद्धार व मरम्मत का संपूर्ण कार्य,कार्यादेश जारी दिनांक से 01 माह के भीतर पूर्ण करना होगा।
02- निर्धारित समयावधि/विस्तारित समयावधि मे कार्य पूर्ण न होने की स्थिति मे नियमानुसार पैनल्टी कार्य के देयक से काटी जावेगी।
03- पुसिल प्रशिक्षण शाला पचमढ़ी मे स्थित प्रशासकीय भवनों एवं आवासीय भवनों के जीर्णोद्धार/मरम्मत हेतु सम्पूर्ण कार्य प्राक्कलन मे दर्शित स्पेशीफिकेशन/गुणवत्ता अनुसार होना चाहिये।
04- पुसिल प्रशिक्षण शाला पचमढ़ी द्वारा किसी भी प्रकार का भाड़ा वाहन नहीं किया जावेगा ।
05- कार्य उपरांत देयकों का भुगतान म0प्र0शासन के आदेशों के अन्तर्गत किया जावेगा ।
06- देयक 03 प्रतियों मे पुलिस अधीक्षक पुसिल प्रशिक्षण शाला पचमढ़ी के नाम से भेजे जावे।
07- देयक की राशि के भुगतान हेतु फर्म को अपने बैंक खाते का संम्पूर्ण विवरण शाखा का नाम आई.एफ.एस.सी कोड ईत्यादि पुसिल प्रशिक्षण शाला पचमढ़ी को उपलब्ध करान होगा।
08- निविदाकार के रिजिस्टर्ड फर्म का संपूर्ण विवरण जिसमे निविदाकार का रजिस्ट्रेशन लोक निर्माण विभाग मे पंजीकृत हो, आयकर रिर्टन प्रमाण पत्र विगत 03 वर्ष, जी0एस0टी रजिस्ट्रेशन नम्बर, टिन नम्बर, पेन नम्बर आधार कार्ड मोबाईल नम्बर,व वर्तमान पता पुसिल प्रशिक्षण शाला पचमढ़ी को रजिस्ट्रेशन हेतु आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध काराया जाना सुनिश्चित करेंगे।
09- किसी भी प्रकार के संशय/विवाद की स्थिति मे पुसिल प्रशिक्षण शाला पचमढ़ी का निर्णय अंतिम व सर्वमान्य रहेगा ।

पुलिस अधीक्षक
पुलिस प्रशिक्षण शाला
पचमढ़ी

G12131/26

भारत-चीन के रक्षा मंत्रियों ने की बिश्केक में मुलाकात, राजनाथ ने जताई खुशी

सुरक्षा स्थिति व क्षेत्र में स्थिरता बनाए रखने पर किया विचार-विमर्श

नई दिल्ली ■ एजेंसी

किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में मंगलवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और चीन के रक्षा मंत्री एडमिरल डोंग जुन की मुलाकात हुई। यह मुलाकात एससीओ के रक्षा मंत्रियों की बैठक के इतर हुई। दोनों देशों के रक्षामंत्रियों ने यहां क्षेत्रीय सुरक्षा और आपसी सहयोग पर चर्चा की। राजनाथ यहां एससीओ के अन्य सदस्य देशों के प्रतिनिधियों के साथ भी द्विपक्षीय बैठकें करेंगे। वह किर्गिस्तान में रह रहे भारतीय समुदाय से भी मुलाकात करेंगे। माना जा रहा है कि इस उच्चस्तरीय बातचीत में दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों ने एशिया की मौजूदा सुरक्षा स्थिति व क्षेत्र में स्थिरता बनाए रखने के उपायों पर विचार विमर्श किया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राजनाथ सिंह ने कहा कि एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक के दौरान एडमिरल

डोंग जुन से बातचीत कर खुशी हुई। रक्षा विशेषज्ञों ने इस मुलाकात को सकारात्मक और रचनात्मक बताया है। इससे पहले राजनाथ ने बिश्केक स्थित विक्ट्री स्क्वायर पर पहुंचकर शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की और वीर सैनिकों के बलिदान को नमन किया। राजनाथ सिंह बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भाग लेने गए हैं। इस अहम बैठक में क्षेत्रीय सुरक्षा, आतंकवाद के खिलाफ सहयोग और सदस्य देशों के बीच रक्षा संबंधों को मजबूत करने जैसे मुद्दों पर चर्चा हो रही है।

उन्होंने अपने दौरे के दौरान अन्य सदस्य देशों के रक्षा मंत्रियों के साथ भी द्विपक्षीय बैठकें करने की बात कही है, जिससे आपसी सहयोग को और मजबूत किया जा सके। बता दें यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब भारत और चीन के रिश्ते पिछले कुछ सालों में काफी तनावपूर्ण रहे हैं। 2020 में पूर्वी लद्दाख क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर दोनों देशों की सेनाओं के बीच हिंसक झड़प हुई थी। इस घटना के बाद द्विपक्षीय संबंधों में गंभीर गिरावट आई और आपसी विश्वास में कमी देखी गई। हालांकि बीते कुछ सालों में संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में कई बड़ी पहल की गई हैं। इसी क्रम में यह मुलाकात भी काफी अहम है।

बता दें राजनाथ सिंह सोमवार को बिश्केक पहुंचे थे। यहां वह मंगलवार को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेंगे। बिश्केक पहुंचने पर उनका स्वागत स्थानीय अधिकारियों द्वारा किया गया। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह की उच्चस्तरीय बैठकों से न केवल क्षेत्रीय शांति और स्थिरता को बढ़ावा मिलता है।

कार्यालय कलेक्टर जिला नर्मदापुरम
:: विज्ञप्ति ::
//निविदा आमंत्रण सूचना//

क्रमांक/नाजरात/I/966078/2026 नर्मदापुरम, दिनांक 23-04-2026

जिला कार्यालय एवं जिले के अन्य समस्त शासकीय कार्यालयों हेतु लेखन सामग्री क्रय संबंधी निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसका विस्तृत विवरण वेबसाईट https://narmadapuram.nic.in पर देखा जा सकता है।

क्रं.	टेण्डर आई.डी. जावक क्रं. दिनांक	सामग्री का नाम	निविदा प्रपत्र का मूल्य (राशि रू. में)	अमानत राशि (राशि रू. में)	कार्य की अनुमानित (राशि रू. में)
1	2	3	4	5	6
1		जिला कार्यालय एवं जिले के अन्य समस्त शासकीय कार्यालयों हेतु वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु लेखन सामग्री क्रय संबंधी निविदा	1000/-	50,000/-	5,00,000/-

निविदा का फार्म, शर्ते एवं लेखन सामग्री की सूची दिनांक 24.04.2026 से 15.05.2026 को दोपहर 2.00 बजे तक जिला कार्यालय (नाजरात शाखा) में कार्यालयीन समय में (अवकाश के दिन छोडकर) उपस्थित होकर प्राप्त व जमा की जा सकेगी।

(कलेक्टर महोदया द्वारा अनुमोदित)

अपर कलेक्टर
जिला-नर्मदापुरम

G12130/26

आँगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का दो दिवसीय सेमिनार

भोपाल। महिला एवं बाल विकास विभाग और अज़ीम प्रेमजी फ़ाउंडेशन द्वारा शाला पूर्व शिक्षा पर आँगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का दो दिवसीय सेमिनार (27 व 28 अप्रैल, 2026) ईसीई स्टेट रिसोर्स सेंटर, जवाहर बाल भवन, भोपाल में आयोजित किया गया। सेमिनार में फंदा पुराना शहर ब्लॉक की परिधि में आने वाली चारों परियोजनाओं मोतिया पार्क, बरखेड़ी, चाँदबड़ व जेपी नगर से 50 कार्यकर्ताओं ने अपनी आंगनबाड़ियों में किए जा रहे विभिन्न तरह के नवाचारों को साझा किया। साथ ही लगभग 300 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा बच्चों के सीखने के लिए शिक्षक सहायक सामग्री (अरूरू) का निर्माण और प्रदर्शन भी किया गया।

'नीर पखेरू' अभियान को मिल रही गति

जिलेभर में पक्षियों के लिए की जा रही दाना-पानी की व्यवस्था

एक सकोरा, पानी पक्षियों की जिंदगानी' की थीम पर हो रहा अभियान का सफल क्रियान्वयन

नर्मदापुरम ■ निसं

नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती नीतू यादव एवं कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा द्वारा प्रारंभ किए गए 'नीर पखेरू' अभियान का जिले में प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत शासकीय कार्यालयों में पक्षियों के लिए पानी एवं भोजन की व्यवस्था करते हुए कार्यालय परिसरों तथा आसपास के वृक्षों पर पानी के सकोरे एवं घोंसले स्थापित किए जा रहे हैं। 'एक सकोरा, पानी पक्षियों की जिंदगानी' थीम पर संचालित इस अभियान को विद्यालयों एवं विभिन्न शासकीय कार्यालयों में सक्रिय रूप से चलाया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा आम नागरिकों से भी अपील की गई है कि वे अपने घरों एवं आसपास के उद्यानों में पानी के सकोरे रखकर इस अभियान को जनभागीदारी के माध्यम से और व्यापक बनाएं, ताकि भीषण गर्मी में पक्षियों को पीने के लिए पानी उपलब्ध हो सके। साथ ही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में संचालित प्रदेशव्यापी 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के अंतर्गत सार्वजनिक स्थलों पर प्याऊ आदि स्थापित करने के निर्देश भी दिए गए हैं, जिससे आमजन को शीतल पेयजल उपलब्ध हो सके।

इसी क्रम में कलेक्टर के निर्देशानुसार 'नीर पखेरू' अभियान के तहत अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कार्यालय एवं तहसील कार्यालय सिवनी मालवा में पक्षियों के लिए सकोरे लगाए गए तथा आमजन को भी इस पहल से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया। इसी प्रकार अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कार्यालय एवं तहसील कार्यालय सोहागपुर में भी पक्षियों के दाना-पानी की व्यवस्था हेतु सकोरे स्थापित किए गए हैं। प्रशासन द्वारा अभियान के व्यापक प्रचार-प्रसार के माध्यम से नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण एवं जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशील बनने का संदेश दिया जा रहा है।

ग्रामीण में 1 मई से शुरू होगा मकान सूचीकरण, 13 सेक्टरों में बंटा कार्य

नर्मदापुरम। आगामी जनगणना 2027 के पहले चरण की तैयारियां जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में तेज हो गई हैं। 1 मई 2026 से मकान सूचीकरण का काम शुरू होगा, जिसके तहत सभी मकानों का डेटा मोबाइल ऐप के जरिए दर्ज किया जाएगा। स्थानीय निकायों ने मकानों पर नंबर अंकित करने का काम पहले ही पूरा कर लिया है। इसी क्रम में नर्मदापुरम तहसील के सुपरवाइजर रामकुमार गौर ने अपने प्रभार क्षेत्र का दौरा कर रणनीति तय की। गौर ने बताया कि नर्मदापुरम तहसील के ग्रामीण क्षेत्र को 13 सेक्टरों में बांटा गया है। यहां 13 सुपरवाइजर और 49 प्रगणकों की टीम काम करेगी। गौर को सेक्टर-02 की जिम्मेदारी दी गई है। इस सेक्टर में रंढाल, पर्रादेह और बड़ोदिया कला ग्राम पंचायतें आती हैं। सेक्टर-02 में कुल 6 ब्लॉक बनाए गए हैं जिनमें लगभग 960 मकानों की गणना होगी। भ्रमण का मकसद जमीनी स्थिति समझकर काम को बेहतर तरीके से प्लान करना था। इस दौरान अर्जुन सिंह यादव पलासडोह, निकिता चौहान व शिवकिशोर चौरे बड़ोदिया कला, भेरू प्रसाद पालीवाल पर्रादेह, सुमित तिवारी, ललित यादव और सचिव मयूर बामनकर रंढाल मौजूद रहे।

पीपलखेड़ा रोड के पास किले की छोटी पहाड़ी के जंगल में लगी आग से हजारों पेड़ पौधे जले

रायसेन। राज सिंह बायपास रोड से पीपलखेड़ा जाने वाले रोड के पास रायसेन कल पहाड़ी में अचानक रात के समय भीषण आग लग गई जिसके कारण पहाड़ी के हजारों पेड़ पौधे आज में जलकर राख हो गए जिससे बंद संपदा को भारी नुकसान पहुंचने की संभावना है रात्रि के समय दूर से ही इतनी तेज आपकी लैपटॉप दिखाई दे रही थी कि लोग देख कर ही हैरान हो रहे थे बायपास रोड पर चलने वाले वाहन चालक भी आगजनी को देखकर अचरज में पड़े हुए थे कि आखिरकार किसी मनचले ने जंगल की पहाड़ी में आग लगा दी जिसके कारण हजारों पेड़ पौधों को नुकसान पहुंचा है। समाचार लिखे जाने तक रायसेन किले की छोटी पहाड़ी में भीषण आग जा रही थी राहगीरो ने सूचना वन विभाग के क्षेत्रीय अधिकारियों को दी परंतु रात का समय होने के कारण की आग बुझाने में वन अमला नाकाम रहा है पहाड़ी की आज कई किलोमीटर क्षेत्र में फैल गई है पहाड़ी पर पतझड़ होने के कारण और ज्यादा हवा के चलते आग बढ़ती जा रही है।

समग्र आईडी में हुई त्रुटि को मौके पर ही सुधरवाया

जनसुनवाई में आवेदक को कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने प्रदान की 4 लाख रुपए की राहत राशि

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

कलेक्टर कार्यालय के रेवा सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने 153 से अधिक आवेदनों का परीक्षण कर जनसुनवाई में पहुंचे आवेदन को की समस्याओं का समाधान किया। उन्होंने प्रत्येक आवेदकों को समक्ष में बिठाकर उनकी समस्याएं संवेदनशीलता के साथ सुनी तथा कई मामलों का उन्होंने मौके पर ही समाधान किया। कलेक्टर ने राजस्व, अवैध कब्ज़ा, राशन समस्या, आवास, सीमांकन, बंटवारा सहित अन्य समस्याओं की विस्तार पूर्वक समीक्षा करते हुए उपस्थित अधिकारियों को उनका निर्धारित समय सीमा में समाधान करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने इस दौरान स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि राजस्व मामले जैसे सीमांकन बंटवारा नामांतरण आदि से संबंधित समस्याओं में राजस्व अधिकारियों द्वारा विशेष प्राथमिक की कार्यवाही करते हुए उनका निराकरण किया जाए तथा पारित आदेशों की तामिली भी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि अधिकारी प्रयास करें कि अनुविभागीय स्तर पर ही आवेदकों की समस्या का समाधान हो जाए। किसी के साथ कलेक्टर ने समस्त जिलाधिकारी को निर्देशित किया की जनसुनवाई के दौरान अथवा किसी अन्य समस्या के लिए पहुंचने वाले नागरिकों से सौम्य एवं शांतिपूर्ण व्यवहार से बात करें। उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुने एवं उनको उनकी समस्याओं के लिए उचित मार्गदर्शन दें।

करंट से मृत्यु पर 4 लाख रुपए की सहायता राशि प्रदान

जनसुनवाई के दौरान सोहागपुर तहसील निवासी राजपुरी गोस्वामी के आवेदन जिसमे उन्होंने बताया कि उनके पुत्र मुकेश पुरी गोस्वामी की कृषि कार्य करने के दौरान करंट लगने से मृत्यु हो गई थी। जिसकी राहत राशि अभी तक अप्राप्त है। मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर मिश्रा ने राहत शाखा प्रभारी को निर्देशित किया कि मामले की जांच कर शीघ्र ही आवेदक को राहत राशि राशि उपलब्ध कराई जाए। कलेक्टर से प्राप्त निर्देशानुसार राहत शाखा प्रभारी द्वारा मामले की जांच कर राशि प्रदाय किए जाने की कार्यवाही की गई। तत्पश्चात कलेक्टर मिश्रा द्वारा आवेदक को 4 लाख रुपए की राशि का चेक प्रदान किया गया।

समग्र आईडी में हुई त्रुटि को मौके पर ही किया निराकृत: जनसुनवाई में भीम सिंह राजपूत, निवासी ग्राम पंचायत बिसोन कला, तहसील सिवनी मालवा निवासी तहसील सिवनी मालवा द्वारा अवगत कराया गया कि उनकी समग्र आईडी में पूर्व से ही वैवाहिक स्थिति 'विवाहित' अंकित थी, जबकि उनका विवाह हाल ही में संपन्न हुआ है। इस तकनीकी त्रुटि के कारण वे अपनी पत्नी का नाम समग्र परिवार में जोड़ने में असमर्थ थे, फलस्वरूप वे शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित हो रहे थे। उन्होंने यह भी बताया कि उनकी पत्नी गर्भवती हैं, ऐसी स्थिति में योजनाओं का लाभ न मिल पाना उनके लिए गंभीर चिंता का विषय था। प्रकरण की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर द्वारा तत्काल संज्ञान लेते हुए जिला ई-गवर्नेंस प्रबंधक को समस्या के शीघ्र एवं प्रभावी निराकरण हेतु निर्देशित किया गया। निर्देशों के अनुपालन में जिला ई-गवर्नेंस प्रबंधक द्वारा त्वरित पहल करते हुए राज्य स्तरीय तकनीकी टीम से सतत समन्वय स्थापित किया गया तथा आवश्यक तकनीकी सुधार सुनिश्चित कर समग्र पोर्टल में विद्यमान त्रुटि का सफलतापूर्वक निराकरण कराया गया।

रुका हुआ राशन वापस मिला: नर्मदापुरम निवासी शफीका बानो ने अपनी समस्या प्रकट करते हुए कलेक्टर को बताया कि उन्हें गत निर्धारित मात्रा के अनुरूप राशन में कटौती करते हुए कम राशन प्राप्त हुआ है।

पात्रता पर्ची की समस्या का हुआ तत्काल समाधान

जनसुनवाई में कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने नर्मदापुरम निवासी श्रीमती बसंती बस्तावर की राशन संबंधी समस्या का समाधान किया। आवेदन में श्रीमती बस्तवार ने बताया कि उनके पति की मृत्यु हो चुकी है तथा आर्थिक समस्या के कारण दो बच्चों का पालन पोषण करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कलेक्टर एल समक्ष पात्रता पर्ची चालू किए जाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया। जिस पर कलेक्टर ने त्वरित संज्ञान लेते हुए डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी जिला आपूर्ति अधिकारी श्रीमती नीता कोरी को निर्देश दिए कि आवेदक की समस्या का समाधान करवाया जाए। कलेक्टर द्वारा जारी निर्देशानुसार जिला आपूर्ति अधिकारी द्वारा पात्रता पर्ची जो कि 6 माह राशन न लेने के कारण बंद हो गई थी उसे राशन मित्र पोर्टल पर एंट्री करवाई गई। इसी प्रकार डोलरिया निवासी गोपी अहिरवार के पात्रता पर्ची प्राप्त न होने के आवेदन का वितरण समाधान करते हुए उनकी एंट्री नाम राशन मित्र पोर्टल पर करवाई गई।

रेत का अवैध परिवहन करते 4 वाहन जप्त

अवैध उत्खनन, परिवहन, ओवरलोड खनिज परिवहन के विरूद्ध कार्यवाही जारी

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

कलेक्टर नर्मदापुरम सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले में रेत एवं अन्य गौण खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन, ओवरलोड खनिज परिवहन एवं बिना ढके रेत का परिवहन करने वाले वाहनों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जा रही हैं।

तत्संबंध में खनिज विभाग द्वारा 26 अप्रैल 2026 को तहसील-सिवनीमालवा में अभियान चलाकर सिवनीमालवा में 02 डम्पर क्रमांक-MP09DC8669 एवं MP09ZS9918 को रेत खनिज एवं ग्राम-चौतलाय से 01 डम्पर क्रमांक-MP04Y5358 को गिट्टी खनिज का ओवरलोड परिवहन करते जप्त कर पुलिस थाना सिवनीमालवा की अभिरक्षा में रखा गया है। तथा 27 अप्रैल 2026 को तह0-इटारसी से 01 ट्रेक्टर ट्राली स्वराज बिना नंबर को रेत खनिज का अवैध परिवहन करते हुए जप्त कर पुलिस थाना इटारसी की अभिरक्षा में सुरक्षार्थ खड़ा किया गया है। साथ ही रेत के वाहनों की जाँचकर रेत का परिवहन ढककर किए जाने एवं नियंत्रित गति से वाहन चलाए जाने के निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराया जा रहा है।

उक्त जप्त वाहनों के विरूद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के तहत कार्यवाही की जा रही है।

स्वगणना में जिला प्रदेश में पहले स्थान पर

शाम तक पोर्टल पर 82884 स्वगणना की गईं

रायसेन ■ निसं

जनगणना-2027 के तहत 30 अप्रैल 2026 तक स्व-गणना हेतु पोर्टल पर विशेष सुविधा उपलब्ध कराई गई है। जिले में अधिक से अधिक नागरिक इस अवधि में स्व-गणना पूर्ण करें, इसके लिए कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा के निर्देशन में जिले में मिशन मोड में कार्य किया जा रहा है, जिसके परिणामस्वरूप रायसेन जिला स्वगणना में प्रदेश में प्रथम स्थान पर है। रायसेन जिले में 28 अप्रैल तक 82884 स्वगणना की गई हैं, जो कि प्रदेश में सर्वाधिक है।

कलेक्टर विश्वकर्मा ने कहा कि यह उपलब्धि सभी एसडीएम, जनपद सीईओ, तहसीलदार, सीएमओ सहित अन्य विभागों के अधिकारियों-कर्मचारियों तथा प्रगणकों के अथक परिश्रम और नागरिकों के सहयोग का परिणाम है। जिले में स्वगणना कार्य की प्रतिदिन की प्रगति की मॉनीटरिंग की जा रही है। उन्होंने सभी नागरिकों से

स्वगणना करने की अपील करते हुए कहा कि स्वगणना की प्रक्रिया बेहद सरल है तथा नागरिक इसे मोबाईल द्वारा स्वयं पूर्ण कर सकते हैं।

उल्लेखनीय है कि जिले में कलेक्टर विश्वकर्मा के निर्देशन में स्वगणना के प्रति नागरिकों में जागरूकता लाने के साथ ही इसकी प्रक्रिया भी बताई जा रही है। मैदानी अमले द्वारा पंचायतों और वार्डो में शिविर लगाकर स्वगणना की प्रक्रिया पूर्ण कराई जा रही है। इसके साथ ही कलेक्टर विश्ककर्मा सहित अधिकारियों द्वारा नियमित रूप से भ्रमण कर नागरिकों से सीधा संवाद कर उन्हें स्वगणना हेतु प्रेरित करने के साथ ही मोबाईल से स्वगणना की प्रक्रिया भी पूर्ण कराई जा रही है।

पीएमएवाई-यू 2.0 के जरिए झुग्गीवासियों के पुनर्वास पर संसदीय समिति की बैठक में सांसद माया नारोलिया ने दी महत्वपूर्ण राय

नई दिल्ली। शहरी गरीबों और झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले परिवारों के जीवन स्तर में गुणात्मक सुधार लाने के उद्देश्य से आज नई दिल्ली स्थित संसदीय शोध विस्तार (एनेक्सी) में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। कक्ष संख्या 515 में आयोजित 'आवासन और शहरी कार्य संबंधी स्थायी समिति' की इस उच्चस्तरीय बैठक में मध्यप्रदेश से राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने सक्रिय रूप से भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष श्री मगुंटा श्रीनिवासुलु रेड्डी ने की। इस दौरान 'झुग्गी-झोपड़ी पुनर्विकास और पुनर्वास पहल' की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई चर्चा का मुख्य केंद्र बिंदु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सभी के लिए आवास' के संकल्प को धरातल पर उतारना रहा। सांसद श्रीमती माया नारोलिया ने बैठक में अपने विचार साझा करते हुए

पीएमएवाई-यू 2.0 (PMAY- 2.0) योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की यह योजना शहरी निर्धनों के लिए न केवल छत सुनिश्चित करेगी, बल्कि उनके जीवन में सम्मान और सुरक्षा का नया संचार भी करेगी। बैठक में अधिकारियों के साथ योजना की बारीकियों और लाभार्थियों तक त्वरित लाभ पहुँचाने की कार्ययोजना पर गंभीर मंथन हुआ।

सांसद श्रीमती नारोलिया ने मध्यप्रदेश के शहरी क्षेत्रों में चल रही आवास योजनाओं और झुग्गी पुनर्विकास की स्थिति पर भी चर्चा की, ताकि राज्य के पात्र परिवारों को इस नई पहल का अधिकतम लाभ मिल सके।

बैठक में समिति के अन्य सदस्य और संबंधित मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे. जिन्होंने शहरी बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए अपने सुझाव प्रस्तुत किए।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी ने किया नगर का निरीक्षण

देखी सफाई व्यवस्था, गंदगी करने वालों पर जुर्माना लगाने के दिए निर्देश

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले द्वारा मंगलवार को स्वच्छता शाखा प्रभारी दीक्षा तिवारी के साथ नगर की सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। गंदगी करने वालों पर समझाइश देने के साथ ही जुर्माने की कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

स्वच्छता निरीक्षक कमलेश तिवारी ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव, मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले तथा स्वच्छता शाखा प्रभारी दीक्षा तिवारी के निर्देशन में नगर में लगातार स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्रीमती पटले द्वारा आज नगर के अनेक क्षेत्रों का भ्रमण कर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। नेहरू पार्क के पास सब्जी विक्रेता द्वारा फल एवं सब्जी के डंठल फैंकने पर नाराजगी व्यक्त की तथा दोबारा कचरा करने पर जुर्माने करने के निर्देश दिए। उन्होंने मंगलवार को विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया। सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए।

स्कूल शिक्षा पोर्टल की रिपोर्ट ने खोली हकीकत, शिक्षा व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल

स्कूलों में बजी खतरे की घंटी, 973 छात्र कम हुए

सिवनी मालवा ■ अमृत दर्शन

ब्लॉक की शिक्षा व्यवस्था को लेकर एक चौंकाने वाली तस्वीर सामने आई है। स्कूल शिक्षा पोर्टल 3.0 की 27 अप्रैल 2026 की ताजा रिपोर्ट के अनुसार ब्लॉक के सरकारी और निजी स्कूलों में कुल छात्र संख्या में भारी गिरावट दर्ज की गई है। वर्ष 2025-26 में जहां कुल 31 हजार 631 विद्यार्थी पंजीकृत थे, वहीं वर्ष 2026-27 में यह संख्या घटकर 30 हजार 658 रह गई है। यानी एक ही साल में 973 विद्यार्थियों की कमी दर्ज हुई है। यह आंकड़ा शिक्षा विभाग के लिए चिंता का विषय बन गया है।

बड़े स्कूलों से भी छात्र हुए गायब: रिपोर्ट में सबसे ज्यादा गिरावट कुछ प्रमुख स्कूलों में दर्ज की गई है। जीएचएसएस बाघवाड़ा में 78 छात्र कम

हुए हैं। द राइजिंग पब्लिक स्कूल पगढाल में 70 विद्यार्थियों की कमी आई है। ज्ञानज्योति पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल खापरिया में 69 छात्र घटे हैं। जीएचएसएस खापरिया में 67 विद्यार्थियों की गिरावट दर्ज हुई है, जबकि नर्मदा वैली अकादमी सिवनी मालवा में 62 छात्र कम हो गए हैं। इससे साफ है कि केवल छोटे स्कूल ही नहीं, बल्कि बड़े और स्थापित संस्थान भी इस संकट से जूझ रहे हैं।

शासकीय स्कूलों की हालत भी चिंताजनक: सरकारी स्कूलों में भी छात्र संख्या में गिरावट देखी गई है। पीएमश्री गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल सिवनी मालवा में 30 छात्र कम हुए हैं। शासकीय संदीपनी हायर सेकेंडरी स्कूल में 23 विद्यार्थियों की कमी दर्ज हुई है। मॉडल मिडिल स्कूल, जीएचएस नवीन सिवनी मालवा और कई ग्राम स्तरीय स्कूलों में भी छात्र संख्या नीचे आई है। इससे यह सवाल खड़ा हो रहा है कि क्या सरकारी स्कूलों पर अभिभावकों का भरोसा कमजोर हो रहा है।

निजी स्कूलों पर भी असर, प्रतिस्पर्धा बढ़ी: निजी स्कूलों की स्थिति भी पूरी तरह मजबूत नहीं दिख रही है। जीव ज्योति पब्लिक हाई स्कूल हथनापुर में 45 छात्र कम हुए हैं। टैगोर मॉडल पब्लिक स्कूल शिवपुर में 36 की गिरावट आई है। आचार्य चाणक्य हायर सेकेंडरी स्कूल सिवनी मालवा में 35 छात्र घटे हैं। कई निजी संस्थानों में कम एडमिशन यह संकेत दे रहे हैं कि अब अभिभावक स्कूल चुनने में ज्यादा सतर्क हो गए हैं।

कुछ स्कूल बने उम्मीद की किरण: जहां कई स्कूलों में गिरावट दर्ज हुई, वहीं कुछ संस्थानों ने शानदार प्रदर्शन भी किया है। जीएचएसएस शिवपुर में 119 विद्यार्थियों की बढ़ोतरी हुई है, जो पूरे ब्लॉक में सबसे ज्यादा है। जीएचएसएस मालापट में 110 छात्रों की वृद्धि हुई है। सेंट चार्ल्स कॉन्वेंट स्कूल सिवनी मालवा में 69 छात्र बढ़े हैं। नर्मदा पब्लिक स्कूल नंदरवाड़ा में 58 और स्वामी दयानंद सरस्वती आदर्श हायर सेकेंडरी स्कूल में 39 छात्रों की वृद्धि दर्ज की गई है। इन स्कूलों की बढ़ती संख्या बेहतर प्रबंधन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की ओर संकेत करती है।

राम जानकी राधा कृष्ण मंदिर ट्रस्ट में गड़बड़ी और अनियमितताओं का आरोप लगाया

सिवनी मालवा ■ अमृत दर्शन

भारतीय जनता पार्टी के नगर अध्यक्ष नीरज तिवारी ने मंगलवार को नर्मदा परम कलेक्टर कार्यालय में पहुंचकर जनसुनवाई के दौरान नगर के राम जानकी राधा कृष्ण मंदिर ट्रस्ट में हो रहीअनियमितताओं की जांच कर कार्यवाही करने का ज्ञापन सौंपा । ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई है कि। महावीर जी मंदिर दूधियावड़ मंदिर ट्रस्ट क्रमांक 22155 ग्राम बराखड़ कला में प्रसिद्ध दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर है। यह मंदिर सौ वर्षो पुराना है इसकी 15 एकड़ कृषि भूमि एवं राम जानकी राधा कृष्ण मंदिर ट्रस्ट क्रमांक 232/55 स्थित ग्राम बराखड़ कला इनकी लगभग 85 एकड़ भूमि इन दोनों ट्रस्टों में भारी भ्रष्टाचार, वित्तीय अनियमितताएं, संदिग्ध लेनदेन, गलत भूमि का हस्तांतरण जैसे गम्भीर आरोप लगा कर हैं जांच की मांग की गई है । उन्होंने आरोप लगाया कि ट्रस्ट द्वारा बेशकीमती भूमि को विक्रय करने में कोई भी शर्तों का पालन नहीं किया, न ही किसी

विभाग से परमिशन ली गई।खसरा नंबर 10/1 पर विक्रय अनुमति मिली थी, इसके साथ ही साथ खसरा नंबर 10/2 को भी विक्रय कर दिया गया। हरदा - नर्मदा पुरम मुख्य मार्ग पर 22 दुकानों का निर्माण किया गया है यह दुकानें कंदेली नदी के पानी के बहते का नाला है इस पर अतिक्रमण कर पिलर खड़े कर बना दी गई है ।नाले पर अतिक्रमण कर कार्य पूर्ण किया गया ।दुकानों को गुपचुप तरीके से आपसी साठगांठ से बिना कोई परमिशन, नीलामी प्रक्रिया के ट्रस्ट में हित रखने वाले लोगों ने आपस में ही बांट ली गई, इस तरह करोड़ों का गोलमाल हो गया और नगरपालिका प्रशासन और राजस्व विभाग मूक दर्शक बने रहे, कोई आपत्ति या कार्यवाही ट्रस्ट पर नहीं की गई ।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी डी.पी.गोयल द्वारा प्रभा काम्पलेक्स के पास, मीनाक्षी चौक, आई.टी.आई. रोड, होशंगाबाद से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21-एच, इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल- 462023 (म.प्र.) से मुद्रित। संपादक- डी.पी.गोयल। मो.9827054436 भोपाल कार्यालय : 4240007. डाक पंजीयन - MP/HSD/04/2026-2028 व्यवस्थापक- डी.सी. पारे, मो. 8878623331 Email: amritdarshan@yahoo.com (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल रहेगा।)।